सितंबर 2023

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

घोसी तो झांकी 2024 अभी बाकी

R.N.I. No. 68832/97

दलित, ओबीसी, आदिवासी व अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं को आरक्षण दिए बिना समाज से गैर बराबरी, विषमता खत्म नहीं की जा सकती। लोकतंत्र की मजबूती, एकता-सद्भावना व देश की शक्ति बढ़ाने के लिए यह जरूरी है।

मुलायम सिंह यादव
संस्थापक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

सितंबर 2023
वर्ष 24 | संख्या 11

प्रिय पाठकों

आप सभी के प्यार, उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन से आपकी प्रिय पत्रिका समाजवादी बुलेटिन, बदली हुई साज-सज्जा के साथ अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। हम आपके आभारी हैं कि अभी तक के सफर में हम आपकी कसौटी पर खरे उतर सके हैं। हम भरोसा दिलाते हैं कि भविष्य में भी आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने की हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कृपया अपना प्यार यूं ही बनाए रखें।

धन्यवाद

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

आजम साहब: सच की आवाज 06

08 कवर स्टोरी

घोसी तो झांकी 2024 अभी बाकी

सपा से मिल रही इंडिया गठबंधन को ताकत 30

घोसी उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की शानदार जीत ने उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को भी ताकत दी है। इस जीत से इंडिया गठबंधन में समाजवादी पार्टी की अहमियत और बढ़ी है। वैसे, गठबंधन के साथी पहले से ही यह बखूबी जानते हैं कि यूपी में समाजवादी पार्टी ही भाजपा से मुकाबला कर सकती है।

बुनियादी मुद्दों से भटका रही भाजपा 36

नारी आरक्षण का इतिहास 04

फोटो स्रोत : गूगल

नारी आरक्षण का इतिहास

उदय प्रताप सिंह

नारी आरक्षण के संबंध में सबसे जानने योग्य बात यह है कि 1947 में संविधान सभा की सदस्य रेणुका रे ने ही नारी आरक्षण का स्वयं विरोध किया था। उनका मत था की नारी को हर क्षेत्र में अपनी योग्यता के अनुसार आगे बढ़ना चाहिए। यही देश के लिए ठीक होगा लेकिन बाद में अनुभव द्वारा यह पता चला कि यह कोरा आदर्शवाद साबित हुआ। कई वर्षों तक नारियों का प्रतिनिधित्व संसद में बहुत ही कम रहा और तब नारी आरक्षण की सुगबुगाहट सामाजिक राजनीतिक और शैक्षिक क्षेत्र में फिर से शुरू हुई।

लेकिन भाजपा ने सही समय पर सही ढंग से इस समस्या के सही सूत्र पकड़कर अपना नाम नारी आरक्षण के इतिहास में चतुराई से दर्ज करा दिया। भाजपा के प्रबंधन की कुशलता की, ख़ास तौर पर समय प्रबंधन की प्रशंसा, हम सब को करनी पड़ेगी जैसा कि

उन्होंने ऐन गणेश चतुर्दशी के दिन नई संसद भवन में, पुराने नारी आरक्षण बिल का नाम बदलकर नया नाम दिया नारी शक्ति वंदनअधिनियम और साथ में नई संसद भवन में प्रवेश के उपलक्ष्य में सांसदों को संविधान की एक प्रति भी दी ।

इस प्रतिलिपि में सेक्युलर और सोशलिज्म शब्द जो हमारे प्रीएम्बल में लिखे थे उनको निकाल दिया। अगर कोई और मौका होता तो इस पर विपक्षी दल बहुत शोरगुल करते लेकिन प्रबंधन कौशल ने इसे ,"नारी शक्ति वंदन" बिल से नत्थी कर दिया जिससे नारी शक्ति वंदन बिल की आड़ में भारत के संविधान के संकल्प में से समाजवाद और सेकुलरिज्म जैसे महत्वपूर्ण शब्द हटाए जाने का उतना विरोध नहीं हो सका, जितना अन्यथा होता।

लेकिन बीजेपी सरकार शायद यह भूल गई कि आज नहीं तो कल समाजवाद और सेक्युलर शब्द को इस तरह से तानाशाही अंदाज में हटाने का विरोध तो अवश्य होगा। ज़ोरदार होगा। यह तो सर्व ज्ञात है कि आरएसएस और भाजपा को भारत का संविधान प्रारंभ से ही अमान्य है और उसको बदलने की चालाकी से कोशिश चल रही है जैसा कि अभी हाल में ही मोदी जी के सलाहकार ने इस संविधान को पुराना बताकर नए संविधान की अनुशंसा की थी।

भाजपा सरकार की नीयत पर संदेह इसलिए भी होता है कि जब राज्यसभा में नारी आरक्षण बिल पहले ही पास हो गया था और वह बिल अभी जीवित था और इधर लोकसभा में भाजपा के पास प्रबल बहुमत है तो फिर अगर उनकी नीयत साफ़ होती तो उसे प्रबल बहुमत के आधार पर, राज्यसभा में पास किए गए बिल को, लोकसभा में भी पास कर देते।

इससे नारी सशक्तिकरण का लाभ आने वाली अगले चुनाव में 2024 में नारियों को मिलता। लेकिन सांप मरे न लाठी टूटे यह भाजपा की नीति हमेशा से रही है। उन्होंने बिल का नाम ही बादल दिया और नए संसद भवन में हिन्दूओं के पावन पर्व गणेश चतुर्दशी के दिन, आधा अधूरा बिल इस ढंग से हड़बड़ी में पेश किया गया कि विपक्षी दल के बहुत से लोगों के मन में बहुत सी शंकाओं के होते हुए भी उनको इस बिल के समर्थन में अपनी राय देनी पड़ी अन्यथा उन पर महिला विरोधी होने का लांछन आ सकता था।

अगर भाजपा पुराने बिल नारी आरक्षण के बिल के समर्थन में लोकसभा में प्रस्तुत करती तो उसका आधा श्रेय ही भाजपा को मिल पाता। भाजपा नहीं चाहती थी उसके श्रेय में कोई बंटवारा हो इसलिए भाजपा ने बिल का नया नामकरण-संस्करण कर दिया। इस बिल में तमाम समाजवादियों और विपक्ष के कई अन्य दलों की मांग थी कि कोटा के अंदर कोटा होना चाहिए जिससे पिछड़ी, अल्पसंख्यक महिलाओं को भी आरक्षण की सुविधा का लाभ मिले ।

भाजपा सरकार को यह भी भलीभांति बात ज्ञात था कि बिना परिसीमन के इस नारी शक्ति वंदन बिल का लाभ अगले चुनाव में नारियों को नहीं मिल सकता है। जहां तक पिछड़ों, दलितों अल्पसंख्यकों को इस बिल से लाभ देने की बात थी उसके लिए जनगणना जाति आधारित होना बहुत जरूरी है। इन दोनों कामों में मैं समझता हूं कि अभी कई साल लगेंगे इसलिए 2024 की बात भूल जाइए। 2029 तक में भी इस कानून का लाभ नारियों को मिल जाए तो बहुत समझिए।

दसवीं लोकसभा में जिसका मैं भी एक सदस्य था, आदरणीया गीता मुखर्जी ने हर राजनैतिक दल की महिला सदस्यों के साथ, सबसे पहली बार सदन यह मुद्दा उठाया। बिना परीक्षा पास किए सनद पाने का हुनर भाजपा को खूब आता है।

तब से यानी लगभग हर चुनाव से पहले यह मुद्दा दोनों सदनों में गर्म हुआ लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात रहा। कड़वा सच यह है कि देश के दोनों बड़े राष्ट्रीय राजनीतिक दलों की नीयत और नीति के कारण महिलाओं के साथ यह धोखेबाजी बार बार हुई है। कुछ और दल भी कमोबेश जिम्मेदार हैं लेकिन इस बार भाजपा ने बड़ी चतुराई से महिला मतदाताओं को अपने पक्ष में मोड़ने के लिए इस बिल का नाम बदलकर नए सदन में, गणेश चतुर्दशी के दिन इसलिए हड़बड़ी में सदन में रखा जिससे उनको महिलाओं का तरफदार होने का यश प्राप्त हो जाए।

आजम साहब

सच की आवाज

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के संस्थापकों में शामिल पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खान साहब के हौसले से पस्त सत्तारूढ़ भाजपा ने एक बार फिर उनकी आवाज को दबाने की कोशिश करते हुए आयकर छापे की कार्यवाही की मगर आजम साहब डटे रहे और उनके साथ हमेशा की तरह पूरी समाजवादी पार्टी भी खड़ी है।

बीते 2 साल से आजम साहब को तमाम झूठे मुकदमों में फंसाकर प्रताड़ित करने का सिलसिला थम नहीं रहा है मगर सरकारी जुल्म-ज्यादती भी आजम साहब जैसी शख्सियत का हौसला कमजोर नहीं कर सकी क्योंकि वह हौसले और संघर्ष की शानदार मिसाल हैं। यह आजम खान साहब की शख्सियत ही है कि सितम व संघर्ष की इस घड़ी में भी वह समाजवादी सिद्धांतों के प्रमुख झंडाबरदार के रूप में सत्तारूढ़ दल का मुकाबला कर रहे हैं।

सत्तारूढ़ खेमा जानता है कि आजम साहब की लोकप्रियता और मजबूत जनाधार की वजह से उसकी सांप्रदायिक व नफरती सोच कामयाब नहीं हो सकती इसीलिए वह उन्हें सलाखों के पीछे रखने की साजिशें करता रहा और अभी भी कर रहा है लेकिन अदालत ने अधिकांश मामलों में आजम साहब को जमानत दे दी है। समाजवादी परिवार को अदालत पर पूरा भरोसा है। अदालत से आजम साहब को न्याय मिल रहा है और इसी वजह से समाजवादी परिवार का भरोसा देश की न्याय व्यवस्था पर और मजबूत हुआ है।

आजम साहब वह शख्सियत हैं जिन्होंने आपातकाल में दो वर्ष तक जेल की यातना सही। वे 9 बार विधायक, 5 बार मंत्री और एक बार राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं। रामपुर से दसवीं बार विधायक चुने जाने से पहले वह रामपुर से लोकसभा के सदस्य रहे हैं। उन्होंने तालीम के क्षेत्र में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय रामपुर में स्थापित कर ऐतिहासिक काम किया है। शासन-प्रशासन की हरकतों से आजम साहब का वह शानदार इतिहास नहीं धुल जाएगा।

इस बार सत्तारूढ़ भाजपा ने उनके व जौहर विश्वविद्यालय के सभी ट्रस्टी के यहां मनमाने आयकर छापे डलवाकर आजम साहब की

फोटो स्रोत : गूगल

आवाज को कुंद करने की कोशिश की। आजम साहब के साथ इस तरह की जुल्म और ज्यादती की सूचना पार्टी नेतृत्व तक पहुंचते ही पूरी समाजवादी पार्टी इस जुल्म के खिलाफ आजम साहब के साथ खड़ी हो गई।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने छापे की कार्यवाही का विरोध करते हुए कहा कि भाजपा सरकार केंद्रीय संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। आजम साहब सच की आवाज हैं। उन्होंने बच्चों के बेहतर भविष्य की नींव रखी है। शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय बनाया। वह सदैव फिरकापरस्त ताकतों से लड़ते रहे हैं। आज पूरी समाजवादी पार्टी उनकी आवाज के साथ खड़ी है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार का आचरण संविधान विरोधी और लोकतंत्र विरोधी है। भाजपा सरकार विरोधी दलों के नेताओं के खिलाफ लगातार बदले की भावना से काम कर रही है। इससे पहले भी भाजपा ने आजम साहब की ईमानदार छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए फर्जी मुकदमे लगाए थे लेकिन उन्हें कोर्ट से राहत मिली।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार विपक्षी एकजुटता और इंडिया गठबंधन से डरी हुई है। घोसी विधानसभा उपचुनाव की करारी हार से पूरी भाजपा और बौखला गयी है। सरकार जितनी कमजोर होगी, विपक्ष पर छापे उतने ही बढ़ते जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपाई याद रखें कि तानाशाहों के अहंकार का अंत अवश्य होता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता लोकतंत्र विरोधी, संविधान विरोधी, तानाशाही आचरण वाली भाजपा सरकार को करारा जवाब देगी।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल ने भी भाजपा सरकार के इशारे पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम साहब के साथ किये जा रहे उत्पीड़न की निंदा की। उन्होंने कहा कि आजम साहब के साथ सरकार लगातार बदले की भावना से काम कर रही है। उनके साथ इस तरह का व्यवहार लोकतंत्र विरोधी कदम है।

घोसी तो झांकी 2024 अभी बाकी

बुलेटिन ब्यूरो

पूर्वी उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण उपचुनाव घोसी विधानसभा सीट पर समाजवादी पार्टी की बड़ी जीत ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए जनता के रुझान का संकेत दिया है।

घोसी के उप चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी श्री सुधाकर सिंह ने भाजपा के उम्मीदवार दलबदलू नेता दारा सिंह चौहान को बड़े अंतर से हरा कर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की सधी हुई रणनीति का बहुत बड़ा योगदान रहा।

उत्तर प्रदेश के तीन भौगोलिक क्षेत्रों में बीते तीन उपचुनावों में भाजपा को पटखनी देकर समाजवादी पार्टी और उसके सहयोगी दलों ने यूपी में अपनी प्रासंगिकता पर मुहर लगाई है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खतौली विधानसभा सीट और फिर मैनपुरी लोकसभा और अब घोसी उपचुनाव में भाजपा को हराने के बाद यह साबित हो गया कि यूपी में भाजपा को हराने की कूवत सिर्फ समाजवादी पार्टी में ही है।

समाजवादी पार्टी के पक्ष में बढ़ते जनाधार पर यह मुहर तब और गाढ़ी दिखने लगी जब हाल में हुए जिला पंचायतों के उपचुनाव में भी कमोबेश सभी सीटों पर समाजवादी पार्टी का परचम लहराया। लोकसभा चुनाव के ऐन पहले हुए ये उपचुनाव समाजवादी पार्टी को सभी वर्गों का साथ मिलने की इबारत भी लिख गया।

घोसी उपचनुाव में चुनावी अभियान को मैनपुरी मॉडल की तर्ज पर संचालित करने की श्री अखिलेश यादव की रणनीति कारगर रही। जिसके अंतर्गत प्रत्याशी चयन से लेकर

चुनाव प्रचार तक पूरी पार्टी जमीन पर उतरकर चुनाव लड़ी। श्री अखिलेश यादव की चुनावी सभा में उमड़ी जबरदस्त भीड़ ने ही संकेत दे दिए थे कि जनता अखिलेश जी के साथ है।

मैनपुरी के बाद घोसी में भी सभी तबके का समर्थन मिलना, यूपी की सियासत के लिए बड़ा संदेश है कि समाज का हर वर्ग समाजवादी पार्टी के साथ मजबूती से खड़ा है। दरअसल बीते कुछ महीनों में यूपी में हुए उपचुनावों में समाजवादी पार्टी की जीत सिर्फ एक जीत नहीं है बल्कि इसके कई मायने-मतलब भी हैं।

एक आम धारणा है कि उपचुनाव सरकार का होता है। उपचुनाव में सरकार की हार का मतलब, जनता की नाराजगी से जोड़कर देखा जाता है। भाजपा, तीन-तीन उपचुनाव, जिला पंचायतों के उपचुनाव में लगातार समाजवादी पार्टी से हार रही है तो जाहिर है कि अवाम में भाजपा के लिए जबरदस्त नाराजगी है। अवाम को समाजवादी पार्टी में ही भाजपा को हराने का विकल्प दिख रहा है और उसे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का नेतृत्व, विजन, सौम्यता और संवेदनशीलता भा रही है। भाजपा सरकार के मुकाबले समाजवादी सरकार के कामकाज उसे ज्यादा अच्छे और पंसद आ रहे हैं। उपचुनाव के नतीजे 2024 के चुनावी नतीजों के रुझान लग रहे हैं और देशभर में इन नतीजों ने समाजवादी पार्टी का कद और बढ़ाया है।

यूपी में भाजपा का डटकर मुकाबला करने की वजह से ही समाजवादी पार्टी ने इंडिया गठबंधन में अपनी उपयोगिता मजबूत की है। यही वजह रही कि इस गठबंधन का नाम चुनने, कार्यक्रम बनाने के लिए समाजवादी पार्टी को तरजीह दी गई और दी जा रही है।

उपचुनावों में लगातार समाजवादी पार्टी की जीत के संकेत बिल्कुल साफ हैं। अवाम भाजपा की नीतियों से आजिज है, दुखी है, उसकी नजर में समाजवादी पार्टी ही भाजपा को हराने में सक्षम है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जनता की भावनाओं को

जिला पंचायत उपचुनावों में भी सपा का परचम लहराया

बुलेटिन ब्यूरो

घोसी उपचुनाव की शानदार जीत के साथ ही समाजवादी पार्टी ने जिला पंचायतों की रिक्त सीटों पर हुए उपचुनाव में भी भाजपा को हरा दिया। ज्यादातर सीटों पर समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी ही जीता। उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की जीत संकेत है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के खिलाफ जबरदस्त माहौल है और लोगों की पहली पसंद समाजवादी पार्टी बन चुकी है।

लखनऊ की जिला पंचायत की रिक्त सीट पर हुए उपचुनाव में समाजवादी पार्टी प्रत्याशी रेशमा रावत ने भाजपा प्रत्याशी हराया। मिर्जापुर में राजगढ़ जिला पंचायत सदस्य सीट पर समाजवादी पार्टी प्रत्याशी शील कुमारी ने एनडीए प्रत्याशी को परास्त किया। जालौन में पहाड़गांव सीट पर सपा प्रत्याशी रंजना देवी ने भाजपा प्रत्याशी को जबकि बरेली में वार्ड 16 में सपा प्रत्याशी जसविंदर कौर ने भाजपा प्रत्याशी को शिकस्त दे दी। उपचुनावों में लगातार सपा की जीत भाजपा के खिलाफ स्पष्ट जनादेश माना जा रहा है।

समझ गए हैं इसीलिए वह लगातार जमीनी कार्यकर्ताओं, समाज के विभिन्न तबकों के बुद्धिजीवियों, किसानों, मजदूरों, चिकित्सकों, अधिवक्ताओं से संवाद कर रहे हैं। माना जा रहा है कि संवाद की यह कड़ी अब और लंबी व मजबूत होगी।

इंडिया गठबंधन बनने के बाद हुए घोसी के उपचुनाव को इंडिया गठबंधन बनाम भाजपा काअहम पैमाना माना जा रहा था। भाजपा ने सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल किया, मतदाताओं को डराने-धमकाने की कोशिश की और सपा के कई नेताओं को जेल तक भेजा मगर जनता समाजवादी पार्टी के साथ डटकर खड़ी हो गई। जनता के सभी वर्ग साथ आए और समाजवादी पार्टी के पक्ष में वोटों की वर्षा शुरू हुई तो भाजपा सरकार की धांधली, सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग, उत्पीड़न सब धरा रह गया। पूरी समाजवादी पार्टी का एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतर जाना और समाज के हर वर्ग का साथ मिल जाने से सरकार की मंशा ध्वस्त हो गई।

घोसी उपचुनाव में भाजपा की ओर से खुद मुख्यमंत्री, दो उप मुख्यमंत्री, दो दर्जन से ज्यादा मंत्री, 60 से अधिक विधायक, तमाम जिलों के भाजपा नेता, एनडीए के कई घटक दलों के अध्यक्ष भाजपा की वैतरणी पार कराने में जुटे हुए थे और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के पास एक ही चेहरा था, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव। अवाम ने श्री अखिलेश यादव को पसंद किया। पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रो रामगोपाल यादव, शिवपाल सिंह यादव की मेहनत और कार्यकर्ताओं को सहेजकर चलने की नीति ने घोसी में विजय पताका फहरा दी।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने घोसी उपचुनाव के लिए ठोस रणनीति बनाई। सबसे पहले उन्होंने प्रत्याशी चयन पर काम किया। अवाम से

NTM
18
INDIA TODAY

अलग-अलग और फिर समूह में फीडबैक लिया और सुधाकर सिंह के नाम पर मुहर लगा दी। उपचुनाव का ऐलान होते ही पार्टी के प्रमुख महासचिव प्रो रामगोपाल यादव, राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के साथ मिलकर तय हुआ कि घोसी में मैनपुरी मॉडल पर ही चुनाव प्रचार किया जाए। काम हुआ, सब लगे और यहां भी मैनपुरी मॉडल ने कामयाबी का झंडा लहरा दिया।

घोसी उपचुनाव से पहले इंडिया गठबंधन का रोडमैप तैयार हो चुका था लिहाजा गठबंधन के दलों ने इस उपचुनाव में समाजवादी पार्टी का समर्थन कर हम साथ-साथ हैं, की डोर को मजबूती दे दी। यह सीट समाजवादी पार्टी की ही थी और पिछले चुनाव के नतीजों में दूसरे दल उसके सामने कहीं नहीं टिके थे मगर इसके बावजूद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने जीत के बाद इसे इंडिया गठबंधन की जीत बताकर गठबंधन की डोर को मजबूती दे दी। उनके इस बड़प्पन के सियासी दल कायल भी हुए। सभी ने इस सोच की सराहना की।

राजनीतिक विश्लेषकों ने माना कि जो सीट समाजवादी पार्टी की थी और उसने फिर अपनी मेहनत से जीत ली, उसका श्रेय गठबंधन को देना बड़े दिल की बात है वरना राजनीतिक दल तो छोटी जीत का श्रेय भी किसी को नहीं देना चाहते हैं। विश्लेषक मानते हैं कि गठबंधन में ऐसे ही दलों की वजह से मजबूती आती है।

घोसी की जीत ने नया रास्ता दिखाया है

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने घोसी उपचुनाव की शानदार जीत के बाद चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाने वाली महिलाओं व पदाधिकारियों का सार्वजनिक अभिनंदन करते हुए उन्हें सम्मानित किया।

जीत के बाद घोसी के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों से श्री यादव ने लखनऊ में पार्टी मुख्यालय पर 23 सितंबर को संवाद करते हुए 2024 के चुनाव के लिए जुट जाने की अपील की। कार्यकर्ताओं से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि घोसी उपचुनाव की जीत का अवसर भविष्य के लिए बड़ी जिम्मेदारी का भी है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की विदाई यूपी तय करेगा और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता इसे अमलीजामा पहनाएंगे। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई ऐतिहासिक होगी। लोकतंत्र को बचाना क्रांति से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरी दमदारी से एकजुट होकर समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव में मतदान का 60 प्रतिशत से ज्यादा वोट हासिल करेगी।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि घोसी उपचुनाव में कार्यकर्ताओं, नेताओं ने बड़ी जिम्मेदारी और पूरी ईमानदारी से भाजपा से ऐतिहासिक लड़ाई लड़कर चुनाव जीता है। आगामी लोकसभा चुनाव पीडीए- पिछड़ा, दलित, मुस्लिम अल्पसंख्यक सभी मिलकर जीत दिलाएंगे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने घोसी उपचुनाव में निर्वाचित विधायक सुधाकर सिंह व जीत में सक्रिय भूमिका निभाने वाली

श्रीमती रंजना अहिरवार जिला पंचायत सदस्य, श्रीमती आशा यादव, श्रीमती सुमित्रा यादव, श्रीमती अनीता यादव, श्रीमती मीरा यादव गुलाबी गैंग, कालिंदी राजभर, श्रीमती बबिता चौहान, सितारा यादव जिलाध्यक्ष महिला सभा के साथ ही श्री अमरेन्द्र बहादुर यादव नवरत्न, दूधनाथ यादव जिलाध्यक्ष, लालचंद्र विधानसभा अध्यक्ष तथा महातम यादव किसान का अभिनंदन करते हुए शाल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया।

बैठक में ही श्री अखिलेश यादव ने बसपा छोड़कर आए श्री शिवचंद राम तथा सुभासपा छोड़कर आईं सुश्री सीमा राजभर को समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद व मनोज पासवान द्वारा संपादित सामाजिक न्याय संवाद पुस्तक का विमोचन भी किया।

बैठक में मौजूद कार्यकर्ता घोसी उपचुनाव की जीत से खासे उत्साहित थे और उन्होंने श्री अखिलेश यादव को भरोसा दिलाया कि लोकसभा चुनाव में वे जी-जान से जुटकर समाजवादी पार्टी को जिताएंगे। वे भाजपा सरकार को सत्ता से हटाकर ही दम लेंगे।

उत्साह से लबरेज कार्यकर्ताओं से श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अम्बेडकरवादी और समाजवादी मिलकर बाबा साहब, डॉ राममनोहर लोहिया और नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव के सपनों को पूरा करेंगे। समाजवादी पार्टी संविधान और लोकतंत्र के लिए प्रतिबद्ध तथा संघर्षरत है। सरकार और प्रशासन संविधान और लोकतंत्र को बर्बाद करने का काम कर रहा है।

बैठक में सर्वश्री शिवपाल सिंह यादव राष्ट्रीय महासचिव, रामअचल राजभर विधायक, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, हाजी इरफान सोलंकी, राजेन्द्र कुमार विधायक, दयाराम पाल, राजीव राय, उदयवीर सिंह एवं डॉ राजपाल कश्यप, रामजतन राजभर, अल्ताफ अंसारी, कृष्ण कन्हैया पाल, श्रीमती रीबू श्रीवास्तव, चंद्रशेखर सिंह, नवरत्न, एस के राय, महेंद्र चौहान, अमरेन्द्र बहादुर यादव, सलामत उल्लाह, राणा प्रताप सिंह, लालचंद यादव, विधायक पूजा सरोज, पूर्व विधायक अंबरीश सिंह पुष्कर, डॉ इमरान इदरीस राष्ट्रीय अध्यक्ष छात्र सभा, रविदत्त रावत, धर्मवीर पासवान, राजकुमार पासी, भोला लोधी, आनन्द पासवान, फूलचंद रावत, राहुल यादव, ओमकार लोधी आदि मौजूद रहे।

उत्साह से लबरेज कार्यकर्ताओं से श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अम्बेडकरवादी और समाजवादी मिलकर बाबा साहब, डॉ राममनोहर लोहिया और नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव के सपनों को पूरा करेंगे

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के निर्देश पर घोसी में प्रशासन ने बहुत दबाव बनाया था। नेताओं को रेड कार्ड दिए, मुस्लिम भाइयों को मतदान से रोकने को तमाम तरह से दबाव बनाया, उसके बाद भी घोसी की जनता ने समाजवादी पार्टी को ऐतिहासिक मतों से जिताया। उन्होंने कहा कि घोसी विधानसभा उपचुनाव की जीत का संदेश बहुत बड़ा है। घोसी की जीत ने नया रास्ता दिखाया है। कार्यकर्ता और नेता अपना चुनाव समझकर और खुद को आंदोलनकारी बनाकर सरकार के खिलाफ एक हो जाएं तो जीत भी मिलेगी और संदेश भी बड़ा जाएगा।

इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर श्री अखिलेश यादव ने एक सवाल के जवाब में कहा कि समाजवादी पार्टी गठबंधन में सीट मांग नहीं रही है, सीट दे रही है। गठबंधन के सभी सहयोगी दलों से मिलकर सीटों पर बात हो जाएगी। हमने पहले भी गठबंधन किए थे और समाजवादी पार्टी ने त्याग किया था, इस बार लड़ाई बड़ी है। समाजवादी पार्टी सभी को साथ लेकर चलेगी।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को लेकर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी कई सीटों पर मजबूत है, पार्टी के कार्यकर्ता काम कर रहे हैं, अब गठबंधन बन गया है तो गठबंधन के साथ बातचीत करके मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए फैसला लिया जाएगा।

अहंकार के खिलाफ जनादेश

*घोसी उपचुनाव में सपा की जीत को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भविष्य का संकेत मान रहे हैं। वे इसे सिर्फ सपा प्रत्याशी की नहीं, बल्कि इंडिया गठबंधन की विजय मानते हैं। उनका कहना है कि सत्ताधारी भाजपा ने यह उपचुनाव जीतने के लिए हर हथकंडा अपनाया। मीडिया ने इंडिया के पक्ष को आवाज नहीं दी, फिर भी जनता ने अपना काम किया। उन्होंने कहा कि भाजपा और उनकी सरकारों का अन्याय चरम पर है। यह सबसे ज्यादा जातिवादी पार्टी है। घोसी उपचुनाव में शानदार जीत के बाद **अमर उजाला** ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से लंबी बातचीत की। यहां पेश हैं साक्षात्कार के प्रमुख अंश-*

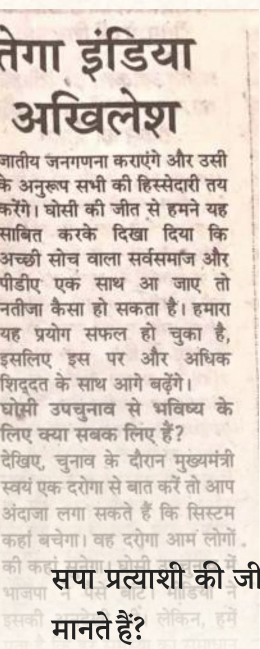
तेगा इंडिया
अखिलेश

जातीय जनगणना कराएंगे और उसी के अनुरूप सभी की हिस्सेदारी तय करेंगे। घोसी की जीत से हमने यह साबित करके दिखा दिया कि अच्छी सोच वाला सर्वसमाज और पीडीए एक साथ आ जाए तो नतीजा कैसा हो सकता है। हमारा यह प्रयोग सफल हो चुका है, इसलिए इस पर और अधिक शिद्दत के साथ आगे बढ़ेंगे।

घोसी उपचुनाव से भविष्य के लिए क्या सबक लिए हैं?

देखिए, चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री स्वयं एक दरोगा से बात करें तो आप अंदाजा लगा सकते हैं कि सिस्टम कहां बचेगा। वह दरोगा आम लोगों

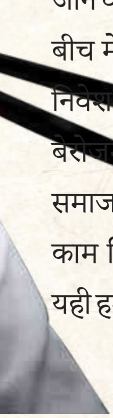

सपा प्रत्याशी की जीत के समीकरण क्या मानते हैं?

जनता भाजपा से जबरदस्त नाराज है। उसके नेता सिर्फ कोरे वादे करना जानते हैं। अस्पतालों में सामान्य रोगियों तक को दी जाने वाली दवाएं नहीं हैं। बड़ी संख्या में बच्चे बीच में ही पढ़ाई छोड़ रहे हैं। रोजगार और निवेश के केवल झूठे वादे हैं। हर तरफ बेरोजगारी पसरी हुई है। दूसरी ओर, समाजवादी सरकार ने अनेक कल्याणकारी काम किए, जिन्हें जनता भूली नहीं है और यही हमारी जीत का कारण है।

कहा जा रहा है कि एक उपचुनाव में जीत को भविष्य का संकेत कैसे मान सकते हैं?

लोकसभा चुनाव से पहले का यह उपचुनाव जनता के मूड का स्पष्ट संकेत है। भाजपा के अहंकार और घमंड के खिलाफ यह जनादेश है। पूरी सरकार घोसी में लग गई। जातियों के ठेकेदार बनने वाले नेताओं को भी मतदाताओं ने जता दिया है कि उन्हें जेबी न समझा जाए। यकीन मानिए इस चुनाव के जरिये मतदाताओं ने इंडिया गठबंधन में भरोसा जता दिया है। लोकसभा चुनाव में भी इसी नतीजे का व्यापक दोहराव आपको देखने को मिलेगा।

भविष्य की रणनीति क्या है?

हम अपना फॉर्मूला छिपाने में यकीन नहीं रखते। पहले ही कह चुके हैं कि इंडिया हमारी टीम है और पीडीए रणनीति। मतलब, हम पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। सामाजिक न्याय के लिए जातीय जनगणना कराएंगे और उसी के अनुरूप सभी की हिस्सेदारी तय करेंगे। घोसी की जीत से हमने यह साबित करके दिखा दिया कि अच्छी सोच वाला सर्वसमाज और पीडीए एक साथ आ जाए तो नतीजा कैसा हो सकता है। हमारा यह प्रयोग सफल हो चुका है, इसलिए इस पर और अधिक शिद्दत के साथ आगे बढ़ेंगे।

घोसी उपचुनाव से भविष्य के लिए क्या सबक लिए हैं?

देखिए, चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री स्वयं एक दरोगा से बात करें तो आप अंदाजा लगा सकते हैं कि सिस्टम कहां बचेगा। वह दरोगा आम लोगों की कहां सुनेगा। घोसी के उपचुनाव में भाजपा ने पैसे बांटे। मीडिया ने इसकी अनदेखी की। लेकिन, हमें पता है कि हर समस्या का समाधान जनता के बीच से ही मिलता है।

हमने लगातार अपनी बात जनता के बीच रखी। महिलाएं चुनाव में इंडिया प्रत्याशी को जिताने की लिए लोकगीत गाते हुए दिखीं। यही इंडिया गठबंधन और समाजवादियों की असली ताकत बन रहा है। ये भाजपा सरकार में लगातार बढ़ती महंगाई और घटती कमाई की दोहरी मार झेल रहे परिवारों का आक्रोश है, जिसने वोट बनकर भाजपा को हराने की शुरुआत कर दी है।

(साभार: अमर उजाला)

ठोस रणनीति सुखद परिणाम

बुलेटिन ब्यूरो

घोसी उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ठोस रणनीति काम आई और उनकी रणनीति की वजह से ही सत्ता पक्ष की कोशिशें-साजिशें कामयाब नहीं हो सकीं। सत्ताधारी दल को घेरने के लिए समाजवादी पार्टी ने कई तरह की रणनीति पर काम किया।

प्रत्याशी चयन से लेकर चुनाव प्रचार के तौर-तरीके और प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की मनमानी पर पैनी नजर की वजह से सत्ताधारी भाजपा ने धांधली की कोशिशें तो कीं मगर चौकन्नी समाजवादी पार्टी ने हर तरफ उसे घेरे रखा। समाजवादी पार्टी ने चुनाव आयोग में धांधली की लगातार शिकायतें कर सत्ता पक्ष पर दबाव बनाये रखने की रणनीति पर काम किया और यह कारगर भी हुआ।

उपचुनाव की घोषणा के वक्त ही समाजवादी पार्टी ने चुनावी समर में उतरने से पहले रणनीति बना ली थी कि किसे, क्या काम करना है। चुनाव प्रचार की कमान दूसरे नेताओं के हाथ में थी तो चुनाव आयोग में शिकायतों के लिए नेताओं की अलग टीमें काम कर रही थीं। उपचुनाव के प्रचार के दौरान भी एक टीम सिर्फ इस काम के लिए लगाई गई थी कि वह धांधली के बारे में पक्की सूचना लखनऊ राज्य मुख्यालय तक उपलब्ध कराएगी ताकि चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराने में कोताही न हो।

मतदान के पहले आखिरी एक हफ्ते तक इस रणनीति पर काम तेज हो गया। सूचनाएं आने लगीं कि कहां-कहां, क्या और कैसे मनमानी हो रही है। सूचनाएं आतीं और एक टीम फौरन प्रदेश के मुख्य निर्वाचन

शानदार जीत पर झूम उठे कार्यकर्ता

घोसी उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी सुधाकर सिंह की जीत का ऐलान होते ही समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता झूम उठे। उन्होंने लखनऊ में पार्टी मुख्यालय पर आतिशबाजी, ढोल नगाड़ों के बीच जश्न मनाया और एक दूसरे को बधाई दी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव के पार्टी कार्यालय पहुंचने पर कार्यकर्ता और उत्साहित हो गए। उनका उत्साह तब और दोगुना हो गया जब श्री शिवपाल सिंह यादव ने यह जीत कार्यकर्ताओं को समर्पित कर दी।

8 सितंबर को मतगणना वाले दिन दोपहर होते ही यह साफ हो गया था कि जनता के भरपूर समर्थन से समाजवादी पार्टी ने घोसी उपचुनाव में बढ़त बना ली है। शाम होते ही जीत का संदेश भी आ गया। जीत की खबर मिलते ही समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय, लखनऊ पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों की जुटान शुरू हो गई। राज्य मुख्यालय समाजवादी पार्टी जिंदाबाद, अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारों से गुंजायमान हो उठा।

कार्यकर्ताओं का जोश बता रहा था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भी वे जनता के बल पर भाजपा को परास्त करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ने वाले। कार्यालय के भीतर व बाहर उत्साहित कार्यकर्ता ढोल नगाड़े की थाप पर खूब झूमे। एक दूसरे को मिठाई खिलाई। जीत के इस जश्न में महिलाएं, नौजवान, अल्पसंख्यक, अधिवक्ता, व्यापारी, शिक्षक सभी शामिल रहे।

इसी बीच राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव भी प्रदेश कार्यालय आ गए।

उन्होंने कार्यकर्ताओं को परिश्रम के लिए बधाई देते हुए जीत उन्हें समर्पित कर दी तो एक बार फिर मुख्यालय नारों से गूंज उठा। राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, राकेश प्रताप सिंह विधायक, जासमीर अंसारी एमएलसी, पूर्व राज्यसभा सदस्य अरविंद कुमार सिंह, पूर्व मंत्री आर.के. चौधरी, सी.एल. वर्मा, पूर्व एमएलसी शशांक यादव, राजेश यादव एवं डॉ राजपाल कश्यप, विकास यादव, सर्वेश अंबेडकर, वंदना मिश्र, डॉ रमेश दीक्षित, अतहर हुसैन, अनुराग मिश्र, रणविजय सिंह, कामरान बेग, देवेन्द्र सिंह यादव जीतू, संजय सविता विद्यार्थी, एस.के. राय, जयसिंह जयंत, नवीन धवन बंटी आदि ने भी इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को बधाई दी तथा जीत के लिए श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व का आभार जताया।

अधिकारी कार्यालय पर शिकायत लेकर पहुंच जाती। शिकायतों पर सवाल-जवाब शुरू होता तो घोसी में सक्रिय सत्ता पक्ष के हिमायती अफसर शिथिल पड़ जाते। यह दबाव लगातार बना रहा।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल लखनऊ में निरंतर मुस्तैद रहा और मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश को ज्ञापन देकर बताता रहा कि घोसी में कैसे यूपी की भाजपा सरकार एवं केन्द्र सरकार के दो दर्जन से अधिक मंत्रीगण सरकारी वाहनों एवं सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रहे है और मतदाताओं को भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए दबाव बनाकर आदर्श आचार संहिता की धज्जियां उड़ा रहे हैं। राशन के कोटेदारों, सरकारी विभागों में ठेकेदारी करने वालों तथा व्यापारियों को बुलाकर सत्ताधारी दल के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने के लिए अनुचित कार्य कर रहे हैं।

चुनाव आयोग को सौंपे गए ज्ञापनों में कहा गया कि बिजली विभाग के इंजीनियरों व अधिकारियों द्वारा सपा समर्थक मतदाताओं के घरों में जाकर बिजली चेंकिग की आड़ में भय पैदा करने का कार्य किया जा रहा है। अल्पसंख्यक बाहुल्य आबादी की गलियों में जाकर पुलिस द्वारा घरों के सामने खड़ी बाईक, टैक्टर आदि को जबरन उठाकर पुलिस थाने में कस्टडी में किया जा रहा है। अल्पसंख्यकों में डर का माहौल बनाया जा रहा है जिससे कि अल्पसंख्यक मतदान में भाग न ले सके। निर्वाचन आयोग को बताया गया कि घोसी विधान सभा क्षेत्र के कोपागंज थानाध्यक्ष अमित मिश्रा उत्पीड़न करके मतदाताओं को भयभीत कर रहे है। सपा समर्थक मतदाताओं से मतदान में भाग न लेने की हिदायत दे रहे हैं। इस शिकायत के बाद घोसी उपचुनाव से जुड़ अधिकारियों से सवाल-जवाब मांगे गए तो दबाव बना और ऐसे अधिकारी थोड़ा ढ़ीले पड़े।

3 सितंबर को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन भी समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देकर कहा गया कि घोसी उपचुनाव में सत्तारूढ़ दल भाजपा द्वारा धांधली कर लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। समाजवादी पार्टी ने इन शिकायतों का ब्योरा केंद्रीय निर्वाचन आयोग को भी भेजा। चौतरफता दबाव घोसी के अधिकारियों पर पड़ने लगा तो कुछेक को छोड़कर दूसरे अधिकारी पर्दे के पीछे चले गए।

मतदान वाले दिन 5 सितंबर को भी इसी रणनीति पर काम हुआ। सपा की टीमें लगातार सक्रिय रहीं और जिन बूथों पर धांधली या दूसरी गड़बड़ी की शिकायत मिली, प्रतिनिधिमंडल आयोग के द्वार पर जा पहुंचा। लगातार शिकायतें करने की रणनीति का नतीजा यह रहा कि प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी खुलेआम धांधली नहीं कर सके।

घोसी में सपा की जीत के मायने

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

घोसी में सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र विजयी हुआ है और सांप्रदायिकता, जातिवाद, निहित स्वार्थ और अवसरवाद की पराजय हुई है। अट्ठाइस विपक्षी दलों के गठबंधन को इस जीत का उत्सव मनाने का जितना हक है उतना ही प्रायश्चित का अवसर है सत्ता के अहंकार, मनमानेपन और चुनावी भ्रष्टाचार पर खड़ी भारतीय जनता पार्टी और उसके गठबंधन एनडीए के लिए।

विधानसभा उपचुनाव में सपा उम्मीदवार की 42,759 वोटों की इस धमाकेदार जीत की तरंगें पूरे देश में महसूस की जा रही हैं।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को इस जीत का श्रेय जाता है लेकिन उन्होंने बड़ा दिल दिखाते हुए इस जीत को सिर्फ समाजवादी की जीत बताने की बजाय इंडिया अलायंस की जीत बताया है, तो भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सचिव अतुल अनजान ने कहा है कि इंडिया अलायंस ने सांप्रदायिकता, जातिवाद, निहित स्वार्थ और सरकार की ताकतों के दुरुपयोग की काट निकाल ली है।

इसी के साथ भाजपा जिला पंचायत उपचुनाव की सभी सीटें भी हार गई। एक तरह से जनता ने मोदी और योगी की नीतियों को ठुकराया है। यह जीत तब हुई है जब बहुजन समाज पार्टी इस अलायंस के साथ नहीं थी और इलाके के कुछ बूथों पर प्रशासन ने अल्पसंख्यक उम्मीदवारों को वोट डालने नहीं दिया।

भले ही उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी यह दावा करें कि इससे प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के कामों पर किसी टिप्पणी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए लेकिन इसे उससे बहुत अलग किया नहीं जा सकता। यह सिर्फ दारा सिंह चौहान की हार नहीं है, यह हार भाजपा के उस अहंकार की है जो सारी राजनीतिक अनैतिकता के बावजूद यह मान कर चलती है कि जनता उसी को वोट देगी।

वास्तव में विपक्ष को अगर भाजपा के चालाक चक्रव्यूह से बचना है तो उसे ईवीएम पर, चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर और सरकार और प्रशासनिक मशीनरी के चुनाव में दुरुपयोग पर सवाल उठाते रहना चाहिए। आखिर इस बात से कौन इनकार कर सकता है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार पूरे दलबल के साथ घोसी सीट को जीतने के लिए कमर कसे हुए थी। योगी सरकार के एक दर्जन मंत्री वहां मौजूद थे। एक ओर ओपी राजभर और दारा सिंह चौहान के भाजपा के साथ आने से भाजपा के हौसले बुलंद थे कि उन्होंने सोशल इंजीनियरिंग को साध लिया है। बस मुस्लिम विरोधी माहौल बन जाए तो कहना ही क्या? स्वयं मुख्यमंत्री ने जातीय और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का कोई मौका हाथ से जाने नहीं दिया।

आजकल विकास पुरुष बने घूमने वाले योगी जी ने 1990 की याद तो दिलाई ही वे 2005 के घोसी दंगे की याद दिलाने से भी बाज नहीं आए। यानी सब कुछ एक रणनीति के तौर

पर चल रहा था ताकि एक ओर दारा सिंह और ओपी राजभर की नोनिया और राजभर जातियों के बहाने ओबीसी एकता बने और दूसरी ओर दंगे और अयोध्या गोलीकांड की याद दिला कर मुस्लिम विरोध जागृत हो और हिंदू एकता बने। जाहिर सी बात है कि घोसी सीट पर ओबीसी आबादी अच्छी खासी है इसलिए भाजपा गणित, बीजगणित और रेखागणित सभी कुछ साध रही थी। लेकिन वह जनता और इंडिया की केमेस्ट्री समझ नहीं पाई।

भाजपा की हार और इंडिया की जीत की एक और बड़ी वजह दलबदल जैसे निंदनीय कार्य को हाथ की राजनीतिक सफाई समझने की रही। क्षेत्रीय स्तर से लेकर भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर तक यह रणनीति बनाई है कि जिताऊ

क्षेत्रीय स्तर पर निर्मित सपा की यह साख एक राष्ट्रीय उम्मीद का आधार निर्मित कर रही है। अखिलेश यादव ने इंडियन नेशनल डेवलपमेंट अलायंस (इंडिया) की क्षेत्रीय व्याख्या पीडीए यानी पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक राजनीति के रूप में की है

और जनाधार वाले उम्मीदवार उसे जिस भी पार्टी से मिलें उन्हें अपने पाले में खींच लो फिर उसे हिंदुत्व और सबका साथ सबका विकास की वाशिंग मशीन में धोकर पवित्र घोषित कर दो।

यह रणनीति कभी महाराष्ट्र में, कभी मध्य प्रदेश में कभी पश्चिम बंगाल में, कभी असम में, तो कभी उत्तर प्रदेश में आजमाई जाती रही है। दल बदलू दारा सिंह चौहान को घोसी में चुनाव लड़वाना भाजपा की वाशिंग मशीन परंपरा का ही एक और विस्तार था।

दारा सिंह चौहान सोच रहे थे कि जनता की स्मृतियां अल्पजीवी हैं और भाजपा के आक्रामक अभियान में वह आसानी से बह जाएंगी। लेकिन जनता कूड़ा करकट नहीं है न ही वह कमजोर मूल वाला कोई वृक्ष जो

जरा से झटके से उखड़ जाए। अगर इस देश में लोकतंत्र की जड़ें हैं तो उसे जनता के विवेक ने ही थामे रखा है।

दारा सिंह चौहान को एक ओर मोदी योगी की झूठ और बुलडोजरी न्याय पर आधारित नीतियों का दंड मिला तो दूसरी ओर उनकी दलबदलू व्यवहार ने भी उन्हें डुबोया। सपा के सुधाकर सिंह भले राजपूत जाति के नेता हैं लेकिन वे समाजवादी पार्टी के साथ आरंभ से ही जुड़े रहे। चाहे हारे, चाहे जीते चाहे टिकट मिला या नहीं लेकिन उन्होंने राजनीतिक आस्था नहीं बदली। इसीलिए घोसी क्षेत्र की हर बिरादरी और हर तबके की जनता ने उन्हें दारा सिंह के मुकाबले पसंद किया। सुधाकर सिंह की दृढ़ता और सपा नीत इंडिया गठबंधन की इस जीत ने साबित कर दिया कि दलित और ओबीसी मतदाता न तो वोट बैंक है और न ही किसी का गुलाम। वह दारा सिंह और राजभर के अलग होने से अपनी निष्ठाएं नहीं बदलता। वह अपनी मर्जी से वोट देता है और उसके पास अपना विवेक है। उसने सपा का साथ दिया क्योंकि सपा ने राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त विपक्ष का साथ दिया है और क्षेत्रीय स्तर पर एक विश्वसनीय उम्मीदवार को खड़ा किया। क्षेत्रीय स्तर पर निर्मित सपा की यह साख एक राष्ट्रीय उम्मीद का आधार निर्मित कर रही है। अखिलेश यादव ने इंडियन नेशनल डेवलपमेंट अलायंस (इंडिया) की क्षेत्रीय व्याख्या पीडीए यानी पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक राजनीति के रूप में की है। इसी विश्वास के आधार पर वे कह रहे हैं कि घोसी की परिघटना भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर दोहराई जानी है। यह नकारात्मक राजनीति की हार और सकारात्मक राजनीति की जीत है। इसका यही अर्थ है कि राष्ट्रीय स्तर पर जिस प्रदेश में जो पार्टी मजबूत है उसे महत्त्व देते हुए इंडिया गठबंधन सीटों का बंटवारा करे।

कांग्रेस पार्टी जहां ताकतवर है वहां मजबूती से लड़े, जहां सपा शक्तिशाली है वहां उसे लडने दे, जहां टीएमसी है वहां वह लड़े और जहां जनता दल(यू) और राजद है, जहां द्रमुक है वहां उन्हें मोर्चा संभालने दें। यही घोसी का संदेश है और यही इंडिया का जिताऊ फार्मूला है। इसके बावजूद उत्तर प्रदेश की इस जीत को 2018 के गोरखपुर, कैराना और फूलपुर के लोकसभा उपचुनाव में भाजपा की हार और सपा बसपा गठबंधन की जीत के समतुल्य माना जा रहा है।

लेकिन राजनीति में किसी भी उपचुनाव की जीत से निश्चिंत होना सदैव खतरे से खाली नहीं रहता। अगर वह आम चुनाव जीतने की गारंटी होता तो 2019 में तीन लोकसभा उपचुनावों के परिणाम पलट न जाते। इसलिए इंडिया गठबंधन को अपनी रणनीति और मुद्दों को विवेकपूर्ण तरीके से ही तैयार करना होगा। उसे न तो निश्चिंत होना है और न ही निराश।

2024 की तैयारी के लिए निरंतर संवाद कर रहे अखिलेश

लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों में जुटे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव कार्यकर्ताओं-नेताओं से निरंतर संवाद कर रहे हैं। उनसे सुझाव मांग रहे हैं और उन्हें बता रहे हैं कि इस चुनाव में किस तरह भाजपा का मुकाबला करना है। कार्यकर्ता बता रहे हैं समाज का सभी वर्ग समाजवादी पार्टी के समर्थन में है और वह भाजपा राज से त्रस्त है। घोसी के नतीजे भाजपा के खिलाफ स्पष्ट जनादेश है जो कि 2024 में भी दोहराने जा रहा है।

3 सितंबर को राज्य मुख्यालय पर जुटे कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने उन्हें समझाया कि लोकसभा चुनाव की तैयारी किस तरह करनी है। उन्होंने कहा कि भाजपा का चरित्र षड्यंत्रकारी है। प्रलोभन से वह अपनी सत्ता की भूख पूरी करना चाहती है। लूट और भ्रष्टाचार का बोलबाला है और कानून का राज चौपट है। वन ट्रिलियन डॉलर का झूठ फैलाकर जनता को झांसा दिया जा रहा है। भाजपा की इन चालों से सतर्क रहना है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का सत्ता से

बाहर हो जाना तय है। जनता समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना चाहती है। समाजवादी पार्टी के साथ जनता है और जनता का सम्मान समाजवादी पार्टी और सरकार में ही सुरक्षित है।

इससे पहले 28 अगस्त को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के समाजवादी पार्टी के पार्षदों के साथ श्री अखिलेश यादव ने संवाद किया। पार्षदों को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र के विरुद्ध आचरण करती है। श्री यादव ने पार्षदों को सलाह दी कि उन्हें अपने क्षेत्र के विकास पर ध्यान देना चाहिए। भाजपा विकास में रोड़ा अटकाती रहेगी, फिर भी काम करते रहना है। उन्होंने कहा कि काम की रफ्तार जितनी ज्यादा होगी व्यवस्था भी उतनी ज्यादा अच्छी होगी।

सभी पार्षदों ने भरोसा दिलाया कि वे पार्षद चुनाव की तरह लोकसभा चुनाव में भी रुचि लेंगे और समाजवादी पार्टी के सांसद प्रत्याशी को भारी मतों से जिताएंगे। सभी पार्षदों का यह भी कहना था कि श्री अखिलेश यादव के कुशल और प्रभावी नेतृत्व में 2024 में भाजपा को पराजित करेंगे।

बैठक में लखनऊ के सभी निर्वाचित 23 पार्षद मौजूद थे। समाजवादी पार्षद दल के नेता श्री कामरान बेग और उप नेता श्री देवेन्द्र सिंह 'जीतू' के अतिरिक्त श्री सैय्यद यावर हुसैन, पूर्व नेता पार्षद दल ने श्री अखिलेश यादव का स्वागत किया और उन्हें सम्मानित किया।

2024 का समर

बूथ पर नजर

बुलेटिन ब्यूरो

लोकसभा चुनाव, 2024 के लिए समाजवादी पार्टी ने बूथ संगठन को मजबूत करने के लिए जिलावार समीक्षा बैठकें शुरू कर दी हैं। जिला व संसदीय क्षेत्रवार बैठकों में कार्यकर्ताओं से बूथवार ब्यौरा लिया जा रहा है और उन्हें बताया जा रहा है कि किस तरह बूथ संगठन का काम करना होगा। बूथ पर डटे रहने वाले कार्यकर्ताओं की अलग से सूची तैयार हो रही है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने वरिष्ठ नेताओं को जिलावार समीक्षा के लिए जिम्मेदारी सौंपी है। वरिष्ठ नेता बैठकों में यह बता रहे हैं कि किस तरह चौकन्ना रहना है और लोकतंत्र को बचाने के लिए किस तरह परिवर्तन के लिए काम करना होगा।

21 अगस्त को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर मोहनलालगंज लोकसभा क्षेत्र की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में कार्यकर्ताओं के सुझाव भी लिए गए और उसपर काम करने का भरोसा दिलाया गया। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा ने जोनल प्रभारी, विधानसभा अध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्षों से कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव अहम है। संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए हम सब लोग मिलकर परिवर्तन लाने का काम करेंगे।

उन्होंने सेक्टर व बूथ को मजबूत बनाने के लिए संगठन के सभी पदाधिकारियों को बूथ स्तर तक घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों और समाजवादी पार्टी की सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को बताने के

लिए कहा।

समीक्षा बैठक में पूर्व मंत्री व प्रभारी आर के चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष सी.एल. वर्मा, समाजवादी युवजन सभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास यादव, जिलाध्यक्ष लखनऊ जयसिंह जयंत, जिलाध्यक्ष सीतापुर छत्रपाल सिंह यादव, पूर्व विधायक अम्बरीश पुष्कर, हरगोविन्द भार्गव, राजेंद्र यादव, पूर्व प्रत्याशी श्रीमती राजबाला रावत, मलिहाबाद के पूर्व प्रत्याशी सोनू कन्नौजिया, विधानसभा अध्यक्ष रमेश यादव, विधानसभा अध्यक्ष बीकेटी विदेश पाल यादव, विधानसभा अध्यक्ष सरोजनीनगर चन्द्रशेखर यादव, विधानसभा अध्यक्ष मोहनलालगंज उमाशंकर वर्मा, वीरेन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

2 5 अगस्त को राज्य मुख्यालय पर सुल्तानपुर लोकसभा क्षेत्र की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जोनल प्रभारी, विधानसभा अध्यक्ष, महासचिव, ब्लाक अध्यक्ष शामिल हुए। बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा ने कहा कि भाजपा सिर्फ धार्मिक उन्माद फैलाकर सत्ता पाना चाहती है। 2024 में उत्तर प्रदेश से ही भाजपा का सफाया होगा। श्री नंदा ने सभी से चौकन्ना रहने और अपने बूथ पर वोटों की रक्षा करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाकर जनता के बीच घर-घर जाकर भाजपा की नाकामियों को उजागर करके भाजपा को सत्ता से हटाना है।

बैठक में सर्वश्री पूर्व मंत्री आर के चौधरी, सीएल वर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष, सुनील सिंह यादव साजन प्रभारी, मुनीर अहमद खान, रघुवीर यादव जिलाध्यक्ष सुल्तानपुर, अरुण वर्मा पूर्व विधायक प्रभारी, भगेलूराम पूर्व विधायक, मो ताहिर विधायक, अनूप सण्डा पूर्व विधायक, पृथ्वी पाल यादव पूर्व जिलाध्यक्ष, राम सहाय यादव पूर्व जिला अध्यक्ष, सलाहुद्दीन महासचिव समाजवादी पार्टी तथा दीपू श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। बैठक में सभी के विचार सुनने के बाद सुझाव भी लिए गए।

1 3 सितंबर को बहराइच (सुरक्षित) लोकसभा क्षेत्र की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा ने कहा कि पूरे देश की नज़र उत्तर प्रदेश पर है। घोसी विधानसभा उपचुनाव में ऐतिहासिक जीत से स्पष्ट है कि प्रदेश की जनता सपा के साथ है। कार्यकर्ता और नेता बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करें।

बैठक की अध्यक्षता बहराइच के जिलाध्यक्ष राम हर्ष यादव और संचालन समाजवादी युवजन सभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास यादव ने किया। बैठक में प्रदेश महासचिव जयशंकर पाण्डेय, पूर्व कैबिनेट मंत्री आर के चौधरी, श्री यासिर शाह, श्री बंशीधर बौद्ध, समाजवादी अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती, पूर्व विधायक दिलीप वर्मा, रमेश गौतम, श्री के के ओझा के अलावा बहराइच लोकसभा के सभी जोनल प्रभारी, सभी विधानसभा अध्यक्ष, सभी सेक्टर प्रभारी, सभी ब्लाक अध्यक्ष मौजूद रहे।

सपा से मिल रही इंडिया गठबंधन को ताकत

बुलेटिन ब्यूरो

घोसी उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की शानदार जीत ने उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को भी ताकत दी है। इस जीत से इंडिया गठबंधन में समाजवादी पार्टी की अहमियत और बढ़ी है। वैसे, गठबंधन के साथी पहले से ही यह बखूबी जानते हैं कि यूपी में समाजवादी पार्टी ही भाजपा से मुकाबला कर सकती है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की बड़ी सोच और नेक नीयती की वजह से पहले दिन से ही इंडिया गठबंधन में उन्हें हाथों हाथ लिया जा रहा है। गठबंधन धर्म निभाने में श्री अखिलेश यादव ने कभी भी निजी हितों को आगे नहीं आने दिया। देशभर के राजनीतिक दलों में श्री अखिलेश यादव की नेक नीयती और स्पष्टवादिता की वजह से एक अलग ही मुकाम हासिल है।

यह बात सभी राजनीतिक दलों को मालूम है

कि श्री अखिलेश यादव ऐसे राजनेता हैं कि वह सर्वसमाज के हित के लिए कोई भी कदम उठाने से हिचकने वाले नहीं हैं। घोसी उपचुनाव की शानदार जीत में भले ही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की रणनीति ही रही हो मगर जीत के तुरंत बाद इंडिया गठबंधन को श्रेय देने की उनकी नीति सभी को भा रही है और यह स्पष्ट हो चुका है कि वह गठबंधन के सबसे भरोसेमंद साथी हैं।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जब भाजपा के खिलाफ गठबंधन की पहल की थी तो उन्हें भी भान था कि यूपी में बिना समाजवादी पार्टी को साथ लिए भाजपा से मुकाबला नहीं किया जा सकता। यही वजह रही कि उन्होंने लखनऊ आकर श्री अखिलेश यादव से गठबंधन में शामिल होने का न्योता दिया था। चूंकि बात देश की और आमजन के हितों की थी इसलिए श्री अखिलेश यादव ने बिना किसी हिचकिचाहट के गठबंधन का साथ देने का फैसला किया।

श्री अखिलेश यादव पहले दिन से ही पूरी ईमानदारी के साथ गठबंधन से जुड़े हैं। समाजवादी पार्टी का उत्तर प्रदेश में व्यापक जनाधार है या यूं कहें कि वही भाजपा का विकल्प है इसलिए भी गठबंधन में उनकी अलग ही अहमियत है। इसकी वजह यह भी है कि केंद्र सरकार बनाने का रास्ता यूपी से ही होकर जाता है क्योंकि यहां सर्वाधिक 80 सीटें हैं।

गठबंधन में समाजवादी पार्टी को लगातार तरजीह दी जा रही है। गठबंधन का नाम इंडिया तय करने में सपा मुखिया श्री अखिलेश यादव की राय ली गई। इस नाम में उनकी भी अहम भूमिका रही। बिहार के पटना के बाद बंगलुरु और फिर हाल ही में 31 अगस्त व 1 सितंबर को मुंबई में हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में श्री अखिलेश यादव को खास तवज्जो मिली।

बैठक में शामिल होने के लिए श्री यादव जब मुंबई पहुंचे और उनका भव्य तरीके से स्वागत हुआ तो भी गठबंधन के दलों तक यह पैगाम पहुंच गया कि सिर्फ उत्तर प्रदेश में ही नहीं, हिंदीभाषी प्रदेशों में भी श्री यादव की लोकप्रियता और जनाधार है। उनके समर्थकों की बड़ी संख्या हर प्रांत में मौजूद है।

इंडिया गठबंधन की मुंबई बैठक से समाजवादी पार्टी की अहमियत का पता तब और चल गया जब गठबंधन की कोआर्डिनेशन कमेटी में भी समाजवादी पार्टी को स्थान दिया गया। श्री अखिलेश यादव ने इस कमेटी में पार्टी के राज्यसभा सांसद जावेद खान को नामित किया।

सीतापुर में श्रद्धांजलि संग परिवर्तन की हुंकार

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 30 अगस्त को सीतापुर पहुंचकर पूर्व विधायक रामपाल यादव को श्रद्धांजलि दी और पार्टी के लिए उनके योगदान को याद किया। श्री यादव ने परिवार से संवेदना व्यक्त करते हुए सांत्वना दी और भरोसा दिलाया कि पार्टी उनके परिवार के साथ खड़ी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने श्री रामपाल यादव के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि सुमन भी अर्पित किए।

विधानसभा बिसवां के पूर्व विधायक रामपाल यादव के निवास ग्राम पकरिया पुरवा (चंदीभानपुर) बेहटा तंबौर सीतापुर पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी में रहे पूर्व विधायक श्री रामपाल यादव का समाजवादी पार्टी को मजबूत करने के लिए लगातार योगदान बना रहा। इलाके में भी उनकी लोकप्रियता बहुत थी।

श्री अखिलेश यादव ने श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद स्व रामपाल यादव की पत्नी श्रीमती शांती यादव ब्लाक प्रमुख, छोटे बेटे जितेंद्र यादव पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, रामेंद्र यादव, दीपा यादव से बातचीत की। इस मौके पर विधायक लहरपुर अनिल वर्मा, एमएलसी जासमीर अंसारी, पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह वर्मा, रामपाल राजवंशी, पूर्व एमएलसी आनंद भदौरिया, पूर्व विधायक अनूप गुप्ता, पूर्व विधायक महेंद्र सिंह झीन बाबू, पूर्व विधायक डॉ हरगोविंद भार्गव, जिलाध्यक्ष छत्रपाल सिंह यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष शमीम कौसर, प्रमोद वर्मा, दिग्विजय सिंह देव, अफजाल कौसर, कमलेश यादव, अल्लन खां, इस्माइल खां, जयसिंह यादव आदि मौजूद रहे।

बाद में सीतापुर में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि देश परिवर्तन चाहता है। इंडिया गठबंधन भाजपा को हराने जा रहा है। चुनाव जल्दी हो या बाद में समाजवादी पार्टी और सहयोगी दल पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों और फैसलों से किसान, नौजवान, मजदूर और गरीब नाराज और दुःखी हैं। भाजपा ने गरीबों की उम्मीदों को तोड़ा है। भाजपा गरीबों को गुलाम बनाये रखना चाहती है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के पास बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार का कोई जवाब नहीं है। सरकार महंगाई बढ़ाकर दस साल से जनता की जेब काट रही है। 400 रुपये का गैस सिलेण्डर 1100 रुपये से ज्यादा में बिकवाया। पूरे देश की जनता को लूटा। अब चुनाव सामने देखकर गैस सिलेण्डर की कीमतों में सिर्फ 200 रुपये की कमी की है।

उन्होंने कहा कि डीजल-पेट्रोल समेत खाने पीने की चीजें तेल और दाल की कीमतों में महंगाई आसमान पर है। उन्होंने कहा कि सरकार बताए कि इतने दिनों से जो गैस सिलेंडर महंगा रहा और अन्य चीजों की महंगाई है, उसका मुनाफा किसकी जेब में जा रहा है। यह सरकार मध्यम वर्ग और गरीबों की जेब काट कर पूंजीपतियों की तिजोरी भर रही है। गरीबों को धोखा दे रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने नोटबंदी करके दुनिया का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार किया है। पहले नोटबंदी की फिर अपना ही छापा गया 2000 रुपये का नोट बंद कर दिया। इस मामले की जब भी

समीक्षा होगी तो पता चलेगा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा घोटाला है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने जनता से झूठे वादे किये हैं। आज पढ़े-लिखे नौजवानों के हाथ में नौकरी और रोजगार नहीं है। गांवों में बड़े पैमाने पर नौजवान बेरोजगार हैं। सरकार ने दावा किया कि इन्वेस्टर समिट में 33 लाख करोड़ का एमओयू हुआ है, नौजवानों को नौकरी देने देने के सपने दिखाये लेकिन जमीन पर कहीं निवेश नहीं दिख रहा है। लखनऊ से मऊ, गाजीपुर, पूर्वांचल, बुंदेलखंड और इधर सीतापुर तक हमें कहीं भी कोई कारखाना, फैक्ट्री लगती नहीं दिखी। भाजपा सरकार बेरोजगारी पर झूठे आंकड़े देती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को बर्बाद कर दिया है। कानून व्यवस्था नाम की चीज नहीं है। गरीबों के लिए दवा, इलाज का इंतजाम नहीं है। अस्पतालों में दवाएं और अन्य सुविधाएं नहीं हैं। मरीजों को इलाज के लिए भटकना पड़ता है। प्रदेश में हर दिन हत्या, लूट, छेड़खानी की घटनाएं हो रही हैं। अपराधियों और दबंगों का कानून का डर नहीं रह गया है। अपराधी घरों में घुसकर हत्याएं कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था की इतनी खराब स्थिति पहले कभी नहीं थी।

भाजपा को सत्ता से बाहर करने का संकल्प

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा की राष्ट्रीय व राज्य कार्यकारिणी ने संकल्प लिया है कि सब मिलकर भाजपा को सत्ता से बेदखल करेंगे। कार्यकारिणी की बैठक में कहा गया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव सर्व समाज की पसंद हैं और उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। अवाम को श्री अखिलेश यादव में उम्मीद दिख रही है। कार्यकारिणी की बैठक को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने भी संबोधित किया।

22 अगस्त को राज्य मुख्यालय लखनऊ में हुई राष्ट्रीय व राज्य कार्यकारिणी की बैठक में अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मो इकबाल कादरी तथा प्रदेश अध्यक्ष शकील नदवी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का स्वागत किया। बैठक में एक मत से निर्णय लिया गया कि हिन्दू-मुस्लिम एक होकर श्री अखिलेश यादव का साथ देंगे। भाजपा की जुल्म और ज्यादती से तंग जनता भाजपा को हराने के लिए कृतसंकल्प है। समाजवादी पार्टी और श्री अखिलेश यादव पर ही सबको भरोसा है। बैठक में सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में एकजुटता से एक-एक वोट समाजवादी पार्टी को देने में कोई चूक न करने का इरादा व्यक्त किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को सत्ता से बाहर करके ही समाजवादी पार्टी दम लेगी। इस बार भाजपा की कोई साजिश कामयाब नहीं होगी। सन् 2022 में साजिश करके भाजपा ने समाजवादी पार्टी की सरकार नहीं बनने दी थी। इस बार सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के सफाया करने का दायित्व समाजवादी पार्टी निभाएगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नफरती और षड्यंत्रकारी पार्टी है। इसने देश की मिलीजुली संस्कृति पर आघात करने के साथ ही समाज को बांटने का काम किया है। भाजपा समाजवादी पार्टी और इसके नेतृत्व को बदनाम करती है। भाजपा वास्तविक मुद्दों के अर्थ बदलने में माहिर है। भाजपा लूट और भ्रष्टाचार से सराबोर है।

श्री यादव ने कहा कि इस बार भाजपा समाजवादी पार्टी की ताकत के सामने नहीं

टिक पाएगी। समाजवादी पार्टी की ताकत के सामने भाजपा का घमंड चकनाचूर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का लक्ष्य बड़ा है। समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन और पीडीए मिलकर भाजपा को केन्द्र की सत्ता से हटाने में कामयाब होगी।

बैठक में राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव, सांसद एच.टी. हसन, विधायक अबू आसिम आजमी, अब्दुल्ला आजम, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, अताउर्रहमान, एमएलसी जासमीर अंसारी, सरदार देवेन्द्र सिंह खालसा, पादरी पंकज राज मलिक विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में सभी वक्ताओं ने यह राय जताई कि श्री अखिलेश यादव समाज के हर वर्ग में लोकप्रिय हैं, उनसे हर तबके को इंसाफ की उम्मीद है, वही इस मुल्क को नफरत से बचा सकते हैं। बैठक में विधायकगण मुहम्मद रिज़वी, सैयदा खातून, मुहम्मद हसन रूमी, पूर्व विधायकगण गज़ाला लारी, परवेज अहमद टंकी, अंसार अहमद तथा अमीक जामेई, चौधरी अदनान, अलीगढ़ ओल्ड ब्वायज एसोसिएशन के महासचिव डॉ आजम मीर खां, अकरम सिद्दीकी, फिदा हुसेन अंसारी, रज्जू खान, शेख सुलेमान, इं जावेद खां, मुहम्मद मुजीब आदि प्रमुख नेता शामिल रहे।

जातीय जनगणना
की मांग ने जोर पकड़ा

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में जातीय जनगणना की मांग जोर पकड़ने लगी है। जातीय जनगणना कराए जाने के लिए पिछड़ा, दलित तेजी से एक मंच पर आ रहे हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की यह पुरानी मांग अब सभी की समझ में आ गई कि इसी के जरिये सामाजिक न्याय की लड़ाई को जीता जा सकता है और जातीय जनगणना के बाद ही आबादी के हिसाब से सभी को उनका हक मिल सकेगा। जातीय जनगणना कराने के लिए यूपी में लगातार सम्मेलन हो रहे हैं।

9 सितंबर को जातीय जनगणना की मांग को लेकर लखनऊ के गोसाईंगंज में समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ ने गोष्ठी की। गोष्ठी में जातीय जनगणना के फायदों के बारे में विस्तार से बताया गया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजपाल कश्यप ने जातीय जनगणना से पिछड़े व दलित तबकों को उनका अधिकार कैसे मिल सकेगा और वंचितों का किस तरह योजनाओं का लाभ मिलेगा, इसपर प्रकाश डाला। गोष्ठी में यह बात उभरकर सामने आई कि जातीय जनगणना के बाद ही गैर बराबरी का दंश मिट सकता है। गोष्ठी के मुख्य वक्ता समाजवादी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कन्हैया पाल रहे।

11 सितंबर को कानपुर देहात में हुए कश्यप निषाद समाज के सम्मेलन में भी जातीय जनगणना की मांग पुरजोर तरीके से उठी। सम्मेलन में डा राजपाल कश्यप ने कहा कि जातीय जनगणना से ही सभी जातियों को सामाजिक न्याय मिलेगा। हक और सम्मान हासिल होगा।

बुनियादी मुद्दों से भटका रही भाजपा

प्रेम कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

घोसी में समाजवादी पार्टी की जीत को सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने इंडिया की जीत बताया तो इसके भी राष्ट्रव्यापी संदेश थे। संदेश साफ है कि जो जिस प्रदेश में मजबूत है उसके नेतृत्व में अगर इंडिया ने चुनावी दंगल लड़ा तो बीजेपी को मात देना बहुत आसान है। घोसी में इंडिया उम्मीदवार को 57 फीसदी वोट मिलना इसका स्पष्ट प्रमाण है।

अखिलेश यादव ने यह संदेश भी स्पष्ट तौर पर दिया है कि अगर जाति-धर्म से ऊपर उठकर मुद्दों पर राजनीति फोकस की जाए तो भाजपा और उसकी नफरती सियासत को टिकने का मौका नहीं मिलेगा। अलबत्ता भाजपा पहले ही तरह जरूरी मुद्दों से ध्यान बंटाने के लिए फिर नए शिगूफे जरूर छोड़ेगी इसलिए सतर्क रहने की भी जरूरत होगी।

घोसी उपचुनाव की करारी शिकस्त के बाद भाजपा बेहद तनाव में है। भाजपा इतने दबाव में पहले कभी दिखी नहीं थी। अब तक भाजपा का दबाव विपक्षी दलों पर दिखा करता था लेकिन 2024 से पहले 28 दलों के गठबंधन इंडिया ने अपने गठन के साथ ही ऐसा प्रेशर प्वाइंट बनाया है कि भाजपा के स्टार प्रचारक नरेंद्र मोदी की जुबान ही इस प्रेशर को बयां करने लगी है। इंडिया की तुलना इंडियन मुजाहिदीन और ईस्ट इंडिया कंपनी से की जाने लगी। हद तो तब हो गयी जब 'प्राइम मिनिस्टर ऑफ भारत' लिखने-बोलने की परंपरा शुरू की गयी। राष्ट्रपति तक पर भाजपा की सियासत का दबाव और प्रभाव नज़र आया।

विपक्षी गठबंधन का दबाव तब भी दिखा जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने कदम पीछे खींचने पड़े। 'प्राइम मिनिस्टर ऑफ भारत' के बाद नयी संसद का नाम 'पार्लियामेंट हाऊस ऑफ इंडिया' इसकी पुष्टि करता है। इंडिया बनाम भारत का निरर्थक विवाद राजनीतिक फायदा देने के बजाए बीजेपी की सोच पर सवालिया निशान बनाते हुए फुस्स हो गया।

महंगाई, बेरोजगारी और दूसरे तमाम मुद्दों से घिरी भाजपा 2024 से पहले मुद्दों से भटकाने और दूसरे गैर जरूरी मुद्दे उछालने की जुगत कर रही है। मुद्दों से भटकाने में भाजपा को महारथ हासिल रही है मगर इंडिया गठबंधन के बाद यही भाजपा नाकाम होती जा रही है।

भाजपा ने इंडिया पर दबाव बनाने के लिए चाहे जितने मुद्दे गढ़े, वे असरदार नहीं रहे। एक समान नागरिक संहिता का शिगूफा भी छोड़ा गया। आदिवासियों में यूसीसी को लेकर असंतोष दिखा, तो भाजपा बैकफुट पर चली गयी। नगालैंड में भाजपा समेत सभी दलों ने मिलकर यूसीसी के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर दिए। इस तरह यूसीसी का मुद्दा खुद भाजपा को महंगा पड़ गया।

एक देश एक चुनाव का मुद्दा भी लेकर भाजपा आई। जब यह मुद्दा भी परवान चढ़ता नहीं दिखा तो पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में समिति का गठन कर भाजपा ने इस मुद्दे से पीछा छुड़ाया। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने इस समिति का सदस्य बनने से इनकार कर दिया।

तमाम जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाने में नाकाम रही भाजपा ने अब दूसरे तरीकों से 2024 का चुनाव जीतने का उपाय अपनाने की कोशिश शुरू की है। उसने चुनाव आयोग को ही कब्जे में करने के लिए एक विधेयक का तानाबाना बुना। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य आयुक्तों की नियुक्ति और सेवा शर्तों को लेकर भाजपा सरकार एक ऐसा विधेयक लाने की तैयारी में है जिसके कानून बनने केबाद चुनाव आयोग केंद्र सरकार की मुट्ठी मे होगा।

महंगाई, बेरोजगारी और दूसरे तमाम मुद्दों से घिरी भाजपा 2024 से पहले मुद्दों से भटकाने और दूसरे गैर जरूरी मुद्दे उछालने की जुगत कर रही है। मुद्दों से भटकाने में भाजपा को महारथ हासिल रही है

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को स्वतंत्र रखने और केंद्र सरकार के प्रभाव से दूर रखने के लिए एक पैनल के गठन का सुझाव दिया था जिसमें स्वयं मुख्य न्यायाधीश भी होते। मगर, सरकार ने इस सुझाव के विपरीत एक ऐसा पैनल बनाने का प्रस्ताव रखा है जिसमें प्रधानमंत्री, उनके द्वारा मनोनीत मंत्री और विपक्ष का नेता होगा। इसके अलावा मुख्य चुनाव आयुक्त का पद अब सुप्रीम कोर्ट के जज के समकक्ष ना होकर प्रिंसिपल सेक्रेट्री के समक्ष होगा। इससे भी चुनाव आयोग की ताकत कमजोर हो जाएगी। इस मंसूबे को जानकर इंडिया गठबंधन ने प्रबल विरोध किया तो मोदी सरकार विशेष सत्र में इस बिल को लाने से पीछे हट गई।

देश में जो सबसे अहम मुद्दा है, भाजपा और उसकी मोदी सरकार उससे लगातार भाग रही है। अपनी असफलताओं से ध्यान हटाने के लिए लगातार गैर जरूरी मुद्दों को सियासत के केंद्र में लाने की रणनीति पहले भी भाजपा अपनाती रही है। इन हथकंडों के जरिए गरीबी, भ्रष्टाचार, नक्सलवाद, आतंकवाद, कुपोषण, अशिक्षा, बीमारी, आत्महत्या, सांप्रदायिकता जैसे मुद्दों से भी ध्यान भटका दिया जाता है।

महंगाई ने भारतीय जनता की कमर तोड़ दी है। इसका जवाब आम तौर पर सत्ताधारी दल दुनिया भर में महंगाई बढ़ने के उदाहरण से देती है। मगर, सच यह है कि उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों की तुलना में भारत में कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक रूस, ब्राजील और दक्षिण कोरिया के मुकाबले भारत में महंगाई तेजी से बढ़ी है।

2014 में एक लीटर पेट्रोल पर 9.48 रुपये एक्साइज ड्यूटी वसूली जा रही थी तो 2020 में यह बढ़कर 32.98 रुपये हो गयी। आज भी यह 19.90 रुपये प्रति लीटर है। केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल से 2018-19, 2019-20 और 2020-21 में क्रमश: 2,10,282 करोड़, 2,19,750 करोड़ और 2020-21 में 3,71,908 करोड़ रुपये की कमाई की। एक ऐसे समय में इस कमाई को जनविरोधी जरूर कहा जाना चाहिए जब थाली लगातार महंगी होती जा रही है और गरीबों की प्लेट से रोटी कम होती जा रही है। किसान, मजदूर और आम लोगों की आमदनी घट रही है। आत्महत्या करने वालों

फोटो स्रोत : गूगल

एआईएडीएमके ने भाजपा से नाता तोड़ लिया है। आंध्र प्रदेश में पवन कल्याण की पार्टी जेएसपी ने टीडीपी से गठबंधन का एलान कर भाजपा को झटका दिया है। टीडीपी भी पहले एनडीए का हिस्सा हुआ करता था। अकाली दल दोबारा एनडीए में आने को तैयार नहीं है। ये स्थितियां बताती हैं कि इंडिया गठबंधन की सियासत ने एनडीए पर असर डालना शुरू कर दिया है।

में हर चौथा इंसान दिहाड़ी मजदूर है। सबसे अधिक बेरोजगारी वाले देशों में दुनिया में भारत पांचवें नंबर पर बना हुआ है। हाल में संपन्न जी-20 सम्मेलन के घटक देशों में भारत मानव विकास सूचकांक के मामले में सबसे अंतिम पायदान पर खड़ा दिखा। मानव विकास सूचकांक की सूची में दुनिया के 191 देशों में भारत 132वें नंबर पर है। भारत पर कर्ज लगातार बढ़ता चला गया है। 2014 में भारत पर 55 लाख करोड़ का कर्ज था जो 31 मार्च 2023 तक 155 लाख करोड़ हो चुका है।

ऐसे हालात में राजनीति का मुद्दा आम आदमी की तकलीफें और सपना उन तकलीफों को दूर करना होना चाहिए। राजनीति तभी जनोपयोगी है जब वह आम आदमी के जीवन में सहूलियतें लाने वाली हो। नफरत बढ़ाने वाली सियासत से मुश्किलें बढ़ती हैं कम नहीं होतीं। ऐसे में धर्म, जाति से जुड़े विवादों से दूर रहकर ही सत्ता को जन सरोकार की सियासत से जुड़ने के लिए विवश किया जा सकता है।

विपक्षी गठबंधन इंडिया ने यह तय किया है कि वह गरीबी, भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर सियासत पर फोकस करेगी। इसी संकल्प ने सत्ताधारी दल की नींद हराम कर दी है। वह लगातार हिन्दू, मुस्लिम, मंदिर-मस्जिद, सनातन जैसे विवादों में रुचि ले रहा है।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा की कोशिश यही थी कि वह इंडिया के घटक दलों में दरार पैदा करे। कोटा में कोटा के मुद्दे पर राजनीतिक दलों में अलग-अलग राय का फायदा उठाने की कोशिश को विपक्ष ने धराशायी कर दिया है। यह जानते हुए भी कि महिला आरक्षण बिल जिसे नारी शक्ति वंदन का नाम दिया गया है, अभी तुरंत लागू होने वाला नहीं है और न ही आम महिलाओं को इसका फायदा मिलेगा- इंडिया ने एकजुट होकर इस बिल को पारित करा दिया। उल्टे एनडीए खेमे में ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर विपरीत सुर सुनाई पड़े।

इंडिया ने निस्संदेह सबक लिया है। वास्तव में इंडिया गठबंधन बना ही है सबक हासिल करते हुए। यही वजह है कि भाजपा की ओर से विपक्ष को अलग-थलग करने की तमाम कोशिशों के बावजूद इंडिया गठबंधन के घटक दलों की संख्या बढ़ी है। वहीं,

भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए वास्तव में बड़े दबाव से गुजर रहा है। इंडिया के घटक दलों के पास जनता से जुड़े मुद्दों के साथ डटे रहना ही रास्ता है। इस अकेले रास्ते पर चलकर इंडिया जहां खुद को मजबूत बनाए रख सकती है वहीं एनडीए में दरार पैदा कर सकती है। इंडिया को ऐसे कदमों से भी बचना होगा जिस बारे में अपने ही घटक दलों में विपरीत राय हो।

साथ ही 2024 के चुनाव को आमजन के मुद्दों पर लड़ने की रणनीति पर ही चलना चाहिए क्योंकि जनता तकलीफ में है, उसकी कमर टूट चुकी है और उसे उबारना राजनीतिक दलों, सियासतदानों का फर्ज भी है और उनके दलों की नीति भी। इंडिया गठबंधन ने जनता में यह भरोसा कायम करने में कमोबेश कामयाबी हासिल कर ली है कि वह आम आदमी की तकलीफों के लिए लड़ेगा। अगर इंडिया आम आदमी के लिए लड़ेगा तो जाहिर है इंडिया जीतेगा भी।

सपा का मध्य प्रदेश में विस्तार पंजाब में दस्तक

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के निर्देश और लगातार दौरों सेमध्य प्रदेश में सपा की ताकत लगातार बढ़ रही है। मध्य प्रदेश में पार्टी की राज्य इकाई का संगठन मजबूत हो रहा है और यूपी की समाजवादी सरकार के कामकाज व राष्ट्रीय अध्यक्ष के विजन के नाते मध्य प्रदेश की जनता को भी समाजवादी पार्टी की नीतियां, कार्यक्रम भा रहे हैं। मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी का विस्तार हो रहा है तो पंजाब में भी पार्टी ने दस्तक दे दी है। पंजाब में भी पार्टी संगठन को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी गई है।

मध्य प्रदेश में पार्टी ने जन समस्याओं के निराकरण के लिए संघर्ष शुरू कर दिया है। उमरिया जिले के पाली तहसील में समाजवादी पार्टी और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने 13 सितंबर को धरना प्रदर्शन किया। धरना में समाजवादी पार्टी अनुसूचित जनजाति के राष्ट्रीय अध्यक्ष व्यासजी गोंड, मध्य प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष महेंद्र मिश्र, आरएस यादव, श्री धर्मराज यादव, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राधेश्याम काकोड़िया, विजय कुमार पटेल, सुहाना सिंह, श्रीमती केशकली आदि शामिल हुए। इससे पहले 27 अगस्त को मध्य प्रदेश के कई प्रमुख नेताओं ने समाजवादी अनुसूचित

जनजाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व्यास जी गोंड की मौजूदगी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के सामने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। श्री यादव ने सदस्यता ग्रहण कराते हुए आशा जताई कि उनके आने से समाजवादी पार्टी को मजबूती मिलेगी। समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों में सर्वश्री लक्ष्मण तिवारी मध्य प्रदेश विधानसभा में मऊगंज से विधायक रह चुके हैं। मध्य प्रदेश के सतना जिले के मझगंवा ग्राम निवासी संजय सिंह कछवाह कांग्रेस छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए हैं।

मध्य प्रदेश में आगामी चुनाव को देखते हुए बीते दिनों समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर मध्य प्रदेश समाजवादी पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में आगामी चुनाव में संभावित प्रत्याशियों के नाम पर भी चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के लिए अच्छी संभावनाएं हैं। हम पूरी ताकत के साथ चुनाव में उतरेंगे। आपसी तालमेल और एकजुटता से वहां चुनाव में अपेक्षित परिणाम आ सकते हैं।

उन्होंने याद दिलाया कि सन् 2003 में समाजवादी पार्टी को सात सीटों पर जीत हासिल हुई थी । इस बार पहले से अधिक समाजवादी विधायक जीत कर आयेंगे।

श्री यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में भी उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार के समय हुए विकास कार्यों की चर्चा होती है। यहां की उपलब्धियों का मध्य प्रदेश की जनता के बीच और प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।

मध्य प्रदेश में आदिवासियों की बड़ी संख्या है, हमें उनके बीच अपनी पैठ बनानी चाहिए। समाजवादी पार्टी शोषितों, वंचितों तथा पिछड़ों को हक और सम्मान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मध्य प्रदेश से आए कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि वे श्री अखिलेश यादव के निर्देश मानेंगे। कार्यकर्ताओं ने उन्हें आश्वासन दिया कि इस बार मध्य प्रदेश में समाजवादी विधायक बड़ी संख्या में जीत कर आएंगे।

श्री यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में भी उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार के समय हुए विकास कार्यों की चर्चा होती है। यहां की उपलब्धियों का मध्य प्रदेश की जनता के बीच और प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए

मध्य प्रदेश में सपा की निरंतर सक्रियता के तहत 3 अगस्त को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी अनुसूचित-जनजाति प्रकोष्ठ के नेता एवं अखिल भारत वर्षीय गोंड महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व्यासजी गोंड ने मध्य प्रदेश के छिन्दवाड़ा जनपद के अखिल भारतीय गोंड़वाना पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमारी मोनिका शाह बट्टी के पिताजी स्वर्गीय मनमोहन शाह बट्टी की श्रद्धांजलि सभा में उनके पैतृक गांव पहुंच कर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री व्यासजी गोंड ने यहां विशाल श्रद्धांजलि सभा को भी संबोधित किया।

मध्य प्रदेश में संगठन के विस्तार के साथ ही समाजवादी पार्टी ने पंजाब में भी दस्तक देते हुए समाजवादी पार्टी को मजबूत करने की दिशा में तेजी ला दी है। प्रदेश प्रभारी चंडीगढ़ एवं पंजाब कुलदीप सिंह भुल्लर समाजवादी पार्टी के संगठन को मजबूती के लिए काम कर रहे हैं। वह जनसमस्याओं पर लगातार बात कर रहे हैं और उसके समाधान के लिए प्रयासरत हैं। 25 अगस्त को उन्होंने सिख समाज के 25 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात की और उन्हें किसानों की समस्याओं के बारे में ज्ञापन दिया।

देवभूमि में समाजवाद की गूंज

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी की पांच दिवसीय उत्तराखण्ड यात्रा (10 सितम्बर से 14 सितम्बर 2023) कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण रही। एक ओर जहां उन्होंने धार्मिक-ऐतिहासिक स्थलों का दौरा किया वहीं उन्होंने उत्तराखण्ड प्रदेश के राजनैतिक तथा सामाजिक मुद्दों पर भी अधिकारी, विद्वानों से चर्चा की। श्री चौधरी ने उत्तराखण्ड के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पूजा अर्चना की। समाजवादी पार्टी के तमाम नेता भी उनसे मिलने पहुंचे और उत्तराखण्ड की समस्याओं के बारे में भी गहन विचार विमर्श हुआ।

उत्तराखण्ड देवभूमि के रूप में पूजनीय है। प्राकृतिक सौंदर्य के साथ यह धरती अलौकिक सांस्कृतिक स्थलों को भी संजोए हुए है। उत्तराखण्ड देश की सुरक्षा के प्रहरी की भूमिका निभाता है। सेना में यहां के नौजवान अपने को समर्पित करते रहे हैं। वहीं यह प्रदेश धार्मिक सांस्कृतिक धरोहरों के लिए भी विख्यात है। उत्तराखण्ड में आदि शंकराचार्य ने बद्री-केदार मंदिरों की स्थापना के साथ बद्री धाम में धार्मिक पीठ की स्थापना की थी। उत्तराखण्ड में स्वामी विवेकानंद, रवीन्द्रनाथ टैगोर, मुक्तेश्वर महादेव मंदिर, कैंचीधाम में बाबा नीम करौरी का आश्रम, नानकमत्ता जैसा पवित्र स्थल हैं जहां गुरु नानक देव ने तपस्या की थी। यहां नीलकंठ, हेमकुंड साहब की भी बहुत मान्यता है। गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ चार धाम उत्तराखण्ड देवभूमि के आध्यात्मिक शक्ति केन्द्र है। नैनीताल के रामगढ़ में महादेवी वर्मा सृजन पीठ और वरिष्ठ पत्रकार श्री अंबरीष कुमार का राइटर्स कॉटेज है जहां अक्सर लेखकों, विचारकों की गोष्ठियां होती रहती हैं।

रामगढ़ पहुंचने पर पहले दिन ही राइटर्स काटेज में बैठक हुई। वर्धा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति रिटायर्ड आईपीएस और लेखनी के धनी श्री विभूति नारायण राय से आज के सामाजिक परिदृश्य पर श्री राजेन्द्र चौधरी के साथ विचार विमर्श का जो क्रम शुरू हुआ तो उसमें अन्य सामयिक विषयों पर भी चर्चा होना स्वाभाविक था। अंबरीष जी ने बढ़िया चाय पानी की व्यवस्था की थी।

श्री राय ने राजेन्द्र चौधरी को अपनी नई पुस्तक 'रणभूमि में भाषा' भेंट की।

54 वर्ष पूर्व 1969 में डॉ0 राममनोहर लोहिया की संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के युवा संगठन समाजवादी युवजन सभा के नैनीताल के शिविर में उत्तर प्रदेश के संयुक्त राज्यमंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी शामिल थे, जिसके राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद श्री किशन पटनायक थे।

रामगढ़ में महादेवी सृजनपीठ का ऐतिहासिक-साहित्यिक महत्व है। महादेवी वर्मा जी हिन्दी साहित्य की प्रख्यात कवियित्री रही हैं। उन्होंने साहित्यकारों को लेखन का माहौल देने के लिए सन् 1936 में इस स्थान का चयन किया था। इस पीठ में कभी निराला जी, सुमित्रानंदन पंत, इलाचंद जोशी, धर्मवीर भारती और अज्ञेय जी भी रूके थे। कथाशिल्पी शैलेश मटियानी के नाम पर यहां पुस्तकालय है।

श्री राजेन्द्र चौधरी से मिलने गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता श्री भुवन पाठक अल्मोड़ा कौसानी से चलकर आए थे। वे अपने साथ गांधी साहित्य भी लाए थे जो उन्होंने भेंट किया। श्री पाठक उत्तराखण्ड में गांधी विचारधारा के प्रचार प्रसार के साथ पर्यावरण संरक्षण पर काम करते हैं। श्री भुवन पाठक कौसानी के गांधी जी के अनासक्ति आश्रम से जुड़े हैं। श्री राजेन्द्र चौधरी जब यू.पी. एग्रो के चेयरमैन थे तब 1991 में कौसानी अनासक्ति आश्रम गए थे। कौसानी में महात्मा गांधी जी 1929 में आये, और एक पखवाड़ा प्रवास के दौरान 'अनासक्ति योग' पुस्तक की भूमिका उन्होंने यहीं पर लिखी थी।

उत्तराखण्ड में आएं तो कैंची धाम में बाबा

नीम करौली जी महाराज के स्थल पर जाए बिना मन नहीं मानता। यह कैंची धाम अपनी भव्यता और दिव्य अनुभूतियों के लिए प्रसिद्ध है। कहा जाता है यहां पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी ने बाबा नीम करौली जी महाराज को मंदिर स्थापना के लिए वन विभाग की भूमि दिलाने में अपनी भूमिका निभायी थी तब बाबा जी ने चौधरी साहब को प्रधानमंत्री होने का आशीर्वाद दिया था। बाबा जी को हनुमान जी का अंश माना जाता है।

इसी प्रसंग में उत्तराखण्ड के प्रसिद्ध मुक्तेश्वर शिव मंदिर में पूजा के दौरान राजेन्द्र चौधरी को आशीर्वाद मिला। मंदिर की चढ़ाई कठिन है पर भक्त बड़ी संख्या में यहां आते हैं। कहा जाता है कि पांडवों ने स्वर्ग जाते हुए यहां भगवान शंकर जी की पूजा की थी।

धार्मिक सांस्कृतिक दृश्टि से उत्तराखण्ड में नानकमत्ता गुरुद्वारे की यात्रा महत्वपूर्ण रही। यहां पांच सौ वर्ष पूर्व कभी गुरूनानक देव महाराज जी आकर रूक थे। एक विशाल पीपल का पेड़ आज भी यहां श्रद्धा का केन्द्र बना है जिसकी छाया में गुरू जी ने विश्राम किया था।

सरदार कुलदीप सिंह भुल्लर, देवेन्द्र सिंह, गुरुवंत सिंह, हरभजन सिंह, सुखवंत सिंह, अमर सिंह, प्रकाश सिंह, तिलविन्द्र सिंह आदि ने नानकमत्ता में श्री चौधरी को सरोपा भेंट किया और वहां के प्रमुख ने अलग से उनसे भेंट की।

श्री राजेन्द्र चौधरी से सम्बन्धित एक उल्लेख यहां जरूरी है। व्यक्तिगत रूप से वे अपने पुराने सम्बंध निभाने में जरा भी संकोच नहीं करते हैं। वर्षों पहले जब वे उत्तर प्रदेश की समाजवादी सरकार में कैबिनेट मंत्री थे तब रामगढ़ आए थे तो स्थानीय भट्ट जी के ढाबा में भोजन करने जाते थे। इस बार जब गए तो भट्ट जी से मिलना नहीं भूलें। श्री वी.एन. भट्ट जी भी गदगद थे। बड़े प्रेम से उन्होंने खाना खिलाया।

नैनीताल में एक स्टोर के मालिक को याद था कि जब श्री राजेन्द्र चौधरी जेलमंत्री थे तब आए थे। उसने बड़े उत्साह से स्वागत

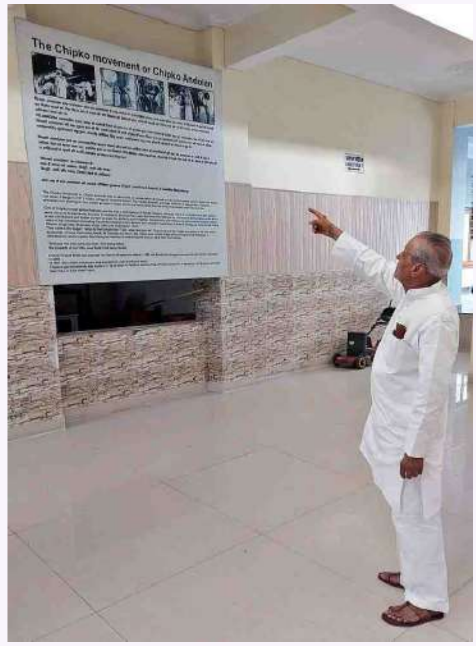

किया। नैनीताल की प्रसिद्ध झील के किनारे उस स्थान पर भी राजेन्द्र चौधरी गये जहां से 1969 में समाजवादी युवजन सभा के शिविर के अवसर पर श्री राज नारायण ने सम्बोधित किया था।

काठगोदाम के सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में श्री राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि उत्तराखण्ड में जहां 23 वर्ष में दूरदराज किसी भी गांव की गली में खड़ंजा तक पक्का नहीं हो सका वहीं उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार में श्री अखिलेश यादव ने अपने मुख्यमंत्रित्वकाल में मात्र 23 महीने में ही 325 कि.मी. आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे बना दिया था।

श्री राजेन्द्र चौधरी ने समाजवादी पार्टी के साथियों का मनोबल बढ़ाते हुए सन 2024 के लोकसभा चुनाव में मजबूती से लड़ने के लिए बल देते हुए कहा कि उत्तराखण्ड के विकास के लिए श्री अखिलेश यादव के मुख्यमंत्रित्वकाल की उपलब्धियों को रोल माडल बनाया जाना चाहिए।

उत्तराखण्ड की इस यात्रा में श्री राजेन्द्र चौधरी ने जहां पुरातन का अभिनंदन किया वहीं नई धाराओं से भी तालमेल बनाया। पुराने सम्पर्कों को नया करने के साथ नए आए नौजवानों की टोली से भी सीधे सम्बंध बनाए। पांच दिन की यात्रा में वे कभी रुके नहीं, थके नहीं और हर जगह श्री अखिलेश यादव के लिए समर्थन और सहयोग जुटाते रहे। उत्तर प्रदेश की तरह उत्तराखण्ड में भी समाजवादी पार्टी की अपनी वैचारिक पहचान बन गई है।

रामगढ़ मुक्तेश्वर के बीच सतबुंगाछिपा के एक रिसॉर्ट में जहां रूके थे वहां से सुबह हिमालय की पहाड़ियों का मनमोहक दृश्य दिखाई पड़ता है। दूसरा रुकने का स्थान था काठगोदाम का सर्किट हाउस जिसका शिलान्यास उत्तराखण्ड के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नारायण दत्त तिवारी ने किया था। साफ-सफाई के साथ पेड़ पौधों की हरियाली आकर्षित करती है। यहां दो दिन के प्रवास में हर रोज समाजवादी नेताओं की भीड़ रही।

याद किए गए मोहन सिंह

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य रहे पूर्व मंत्री मोहन सिंह की 10वीं पुण्यतिथि पर 22 सितंबर को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

श्री मोहन सिंह तीन बार लोकसभा में सांसद निर्वाचित हुए थे और उन्हें सर्वश्रेष्ठ सांसद का सम्मान भी मिला था। वह उत्तर प्रदेश विधानसभा के भी सदस्य रहे तथा राज्यमंत्री भी रहे थे। 22 सितम्बर 2013 को उनका निधन हुआ था।

रामकोला के शहीद किसानों को श्रद्धासुमन अर्पित

बुलेटिन ब्यूरो

भाजपा राज में 10 सितम्बर 1992 को रामकोला में शहीद हुए किसानों को समाजवादी पार्टी ने याद करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए।

गौरतलब है कि गन्ना मूल्य बढ़ाने और बकाया गन्ना का भुगतान की मांग को लेकर धरना दे रहे किसानों पर तत्कालीन भाजपा सरकार की बर्बर पुलिस ने गोली चलाई थी जिसमें दो किसान श्री पड़ोही और श्री जमीदार मियां शहीद हो गए थे।

समाजवादी पार्टी के नेताओं पूर्वमंत्री राधेश्याम सिंह, पूर्वमंत्री ब्रह्माशंकर त्रिपाठी, डॉ पूर्णमासी देहाती, राजेन्द्र यादव मुन्ना, नथुनी कुशवाहा, पूर्व एमएलसी रामअवध यादव, बनारसी यादव, शाहिद लारी, ए के बादल, कैलाश कनौजिया समेत अन्य लोगों ने शहीद किसानों को याद करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की।

सादगी से मनाई विश्वकर्मा जयंती

बुलेटिन ब्यूरो

विश्वकर्मा जयंती पर पूरे उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने सृष्टि के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा की। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ समेत पूरे प्रदेश के सभी जनपदों के पार्टी कार्यालयों में भगवान विश्वकर्मा की जयंती सादगी से मनाई गई। समाजवादी पार्टी ने भगवान विश्वकर्मा को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए 17 सितंबर को विश्वकर्मा जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की सरकार से मांग की।

राज्य मुख्यालय पर भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी ने पुष्पांजलि अर्पित की। विश्वकर्मा जयंती आयोजन के मुख्य संयोजक एवं अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा ऋषि श्रृंगवेरपुर भरवारी, कौशाम्बी, मेजा में विश्वकर्मा जयंती समारोहों में मुख्य अतिथि रहे।

गोविंद बल्लभ पंत को श्रद्धांजलि

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने भारत रत्न पं गोविन्द बल्लभ पंत जी की 136वीं जयंती 10 सितंबर को उन्हें याद करते हुए नमन किया। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पं गोविन्द बल्लभ पंत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री थे। मुख्यमंत्री के रूप में उनकी सेवाओं को हमेशा याद किया जाएगा।

साफ़ और बेबाक X

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

घोसी के विजयी प्रत्याशी और जीत के अन्य सभी सपा सेनानियों व घोसीवासियों का हार्दिक अभिनंदन!!!

साइकिल चलती जायेगी... आगे बढ़ती जाएगी...

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

घोसी के विधानसभा उप चुनाव के साथ-साथ उप्र जिला पंचायत उपचुनावों में लखनऊ, मिर्जापुर, जालौन, बहेड़ी में सपा उम्मीदवारों की बड़ी जीत पर सभी मतदाताओं, सभी विजयी प्रत्याशियों, सक्रिय नेतागणों-पदाधिकारियों, ऊर्जावान कार्यकर्ताओं-साहसी बूथ रक्षकों को बधाई, धन्यवाद और शुभकामनाएँ!!!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

आज तीन दिन बाद जाकर आज़म ख़ान साहब के यहाँ छापे ख़त्म हुए या कहिए ज़ुल्म की दास्ताँ की एक और कहानी। अवाम को समझ आ रहा है, जो उनके साथ हो रहा है वो किसी के साथ भी हो सकता है। जो हुक्मरान ये सोच रहे हैं कि ज़ुल्म से वो जीत जाएंगे तो उन्हें ये भी समझ लेना चाहिए कि हिंदुस्तान वो नायाब देश है जो दुश्मन के साथ भी नाइंसाफ़ी बर्दाश्त नहीं करता और वक़्त आने पर सच का ही साथ देता है।

हर धर्म-मजहब से ऊपर उठकर सच्चे मनवालों की एकता और अमन की ताक़त ही आख़िर में जीतती रही है... और आगे भी जीतती रहेगी।

वक़्त नहीं लगता वक़्त के बदल जाने में... तख़्त के पलट जाने में!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

धरती-पुत्र 'नेता जी' का ज़िन्दा अभी विचार है
सब समान, सबकी भलाई सच्चा समाजवाद है

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जुड़ेगा भारत, जीतेगा INDIA!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सरकार जितनी कमज़ोर होगी, विपक्ष पर छापे उतने बढ़ते जायेंगे।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

महिला आरक्षण पर भाजपा के OBC सांसदों, विधायकों, पदाधिकारियों व सदस्यों की चुप्पी की वजह वो ख़ुद हैं या फिर पार्टी का दबाव।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

महिला आरक्षण लैंगिक न्याय और सामाजिक न्याय का संतुलन होना चाहिए।
इसमें पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, आदिवासी (PDA) की महिलाओं का आरक्षण निश्चित प्रतिशत रूप में स्पष्ट होना चाहिए।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

महिलाओं ने जिस प्रकार घोसी में सपा की जीत के लिए वोट डाला है, उसके लिए सबको बहुत-बहुत धन्यवाद!

ये भाजपा सरकार में लगातार बढ़ती महंगाई और लगातार घटती कमाई की दोहरी मार झेल रहे परिवारों का आक्रोश है, जिसने वोट बनकर भाजपा को हराया है।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

91 वर्ष से 6 वर्ष तक के शतरंज को समर्पित खिलाड़ियों का संगम।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जब देश के युवा बेरोज़गार अपनी डिग्री-रिज़ल्ट की फाइल लेकर नौकरी की गुहार लगाने के वास्ते अपनी जान जोखिम में डालकर सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के पीछे दौड़ने के लिए मजबूर हों तो समझ लो वो कितने हताश हैं, हालात कितने ख़राब हैं और जनआक्रोश किस स्तर पर पहुँच गया है।

भाजपा याद रखे : नौजवान का गुस्सा इंकलाब बनकर बदलाव लाता है।

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 07 Sep

जमीयत उलेमा-ए-हिन्द ज़िला सहारनपुर के सदर हज़रत मौलाना ज़हूर अहमद क़ासमी साहब का इंतकाल, अत्यंत हृदय विदारक!

दुःख की इस घड़ी में समस्त परिजनों को यह असीम दुःख सहने का संबल प्राप्त हो।

विनम्र श्रद्धांजलि!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

उप्र में जहाँ-जहाँ लोगों ने ज़मीन है क़ब्ज़ाई, उसके पीछे हमेशा निकला है एक भाजपाई।

आगरा में भाजपाई भूमाफ़िया के रिकार्ड तोड़ अवैध क़ब्ज़ों पर मुख्यमंत्री जी कुछ कहेंगे या करेंगे।

भाजपा सबसे बड़ी 'महा भू-माफ़िया' बन कर उभरी है।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

पूर्व कुलपति, यश भारती से सम्मानित प्रो. सत्य मित्र दूबे जी का निधन, अत्यंत दुःखद।

ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें।

दुःख की इस घड़ी में समस्त परिजनों को यह असीम दुःख सहने का संबल प्राप्त हो।

भावभीनी श्रद्धांजलि !

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

भाजपा के राज में शासन-प्रशासन ही अराजक हो गया है। तथाकथित डबल इंजन की ताक़त का इस्तेमाल भाजपा तरक़्क़ी की जगह अपने ख़िलाफ़ पनप रहे आक्रोश को दबाने के लिए कर कही है।अपने मान-सम्मान की लड़ाई लड़ रहे अधिवक्ता भाजपा सरकार का अहंकार तोड़ देंगे।

सपा वकीलों के साथ का ऐलान करती है, उनके लिए इंसाफ़ की माँग करती है।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

मा. मुख्यमंत्री जी 'नैतिक अवकाश' पर गये हैं क्या?

कानपुर के किसान बाबू सिंह की आत्महत्या के पीछे जो भाजपाई थे, उनकी गिरफ़्तारी की माँग को आज ख़ून से लिखा गया। उप्र के मुख्यमंत्री जी से सीधा सवाल ये है कि पीड़ित परिजनों की सुनवाई क्यों नहीं हो रही है?

Translate Tweet

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

नयी संसद के पहले दिन ही भाजपा सरकार ने 'महाझूठ' से अपनी पारी शुरू करी है।

जब जनगणना और परिसीमन के बिना महिला आरक्षण बिल लागू हो ही नहीं सकता, जिसमें कई साल लग जाएँगे, तो भाजपा सरकार को इस आपाधापी में महिलाओं से झूठ बोलने की क्या ज़रूरत थी। भाजपा सरकार न जनगणना के पक्ष में है न जातिगत गणना के, इनके बिना तो महिला आरक्षण संभव ही नहीं है।

ये आधा-अधूरा बिल 'महिला आरक्षण' जैसे गंभीर विषय का उपहास है, इसका जवाब महिलाएं आगामी चुनावों में भाजपा के विरूद्ध वोट डालकर देंगी।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

इंसान की पहचान चेहरा नहीं; ज़ुबान होती है।

सत्ता के नशे में बेसुध भाजपा के एक सांसद द्वारा विपक्ष के एक अल्पसंख्यक सांसद को अति अभद्र तरीके से संबोधित करना किसी आपराधिक घटना से कम नहीं है। ये भाजपा की नकारात्मक राजनीति का निकृष्टतम रूप है जिसमें अन्य भाजपाई सांसदों का हँसते हुए सम्मिलित होना दिखाता है कि ये किसी एक भाजपाई की गलती नहीं है बल्कि ये भाजपा के अधिकांश सदस्यों की निर्लज्जता का बेशर्म प्रदर्शन है।

ऐसे सासंदो पर, किसी भी प्रकार की संसदीय विशेषाधिकारों की छूट से परे, किसी एक सांसद नहीं बल्कि पूरे संसद और संविधान की मानहानि करने का मुक़दमा होना चाहिए और ताउम्र की पाबंदी भी।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

एक्सप्रेस वे की मूल अवधारणा ही सुरक्षा के साथ गतिमान व निर्बाध यात्रा की होती है और इन्हें सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी एक्सप्रेस वे के प्रशासनिक-प्रबंधकीय दायित्ववाहकों की होती है। किसी भी दुर्घटना के लिए वे अपना पल्ला नहीं झाड़ सकते हैं।

Translate Tweet

एक्सप्रेस वे पर मवेशी से भिड़ी कार, विधायक बाल-बाल बचे

गंजमुरादाबाद (उन्नाव), संवाददाता। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार तड़के संतकबीर नगर के भाजपा विधायक की कार मवेशी से भिड़ गई। इसमें मवेशी की मौत हो गई, जबकि विधायक बाल-बाल बच गए। वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दूसरी कर मंगवा कर विधायक दिल्ली रवाना हो गए।

गहरपुरवा गांव के पास कार के सामने अचानक मवेशी आ गया। टक्कर लगने से मवेशी की मौत हो गई, जबकि कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। विधायक अंकुर व हरदोई थाना मल्लावां के कल्याणपुर निवासी चालक सुशील और गनर अभिचल शुक्ल को मामूली चोटें आईं। घटना के बाद यपीडा टीम ने मवेशी और

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

विपक्ष के नेताओं को गिरफ़्तार करने का चलन अब केंद्र से लेकर राज्यों तक प्रचलन बन गया है। जो सत्ता के साथ नहीं आ रहा है उसे जेल में डाल दो, ये निरंकुश शासकों की नीति होती थी, लोकतंत्र में इसके लिए कोई स्थान नहीं है।

भाजपाई और उनके अवसरवादी मित्र याद रखें कि राजनीतिक व्यवहार में ऐसा विचलन कल को ख़ुद उन पर भी भारी पड़ सकता है।

ख़ुदगर्ज़ भाजपा किसी की सियासी दोस्त नहीं है!

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2021-2023 कुल पृष्ठ : 48 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

"

भले ही राजनीति में महिलाओं को आरक्षण दे दिया जाए लेकिन जब तक महिलाएं सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त नहीं होती हैं तब तक समानता और विकास का सपना कोसों दूर ही रहेगा। घरेलू और सार्वजनिक स्तर पर नीति-निर्माण की प्रक्रियाओं में भागीदारी महिला सशक्तीकरण का महत्वपूर्ण संकेतक है।

डॉ राम मनोहर लोहिया

समाजवादी पार्टी

/samajwadiparty

www.samajwadiparty.in